6 साल बेमिसाल
सामाजिक गतिविधियों का लेखा जोखा
सबसे पहले सबसे तेज

मासिक
कुमावत इंडिया
कुमावत प्रगति ट्रस्ट की सामाजिक पत्रिका

Email : kumawatindiapatrika@gmail.com
Website : www.kumawatindiapatrika.in

वर्ष-7 | अंक-11 जून-2024 पृष्ठ-32 मूल्य : ₹ 20.00

WORLD POPULATION DAY

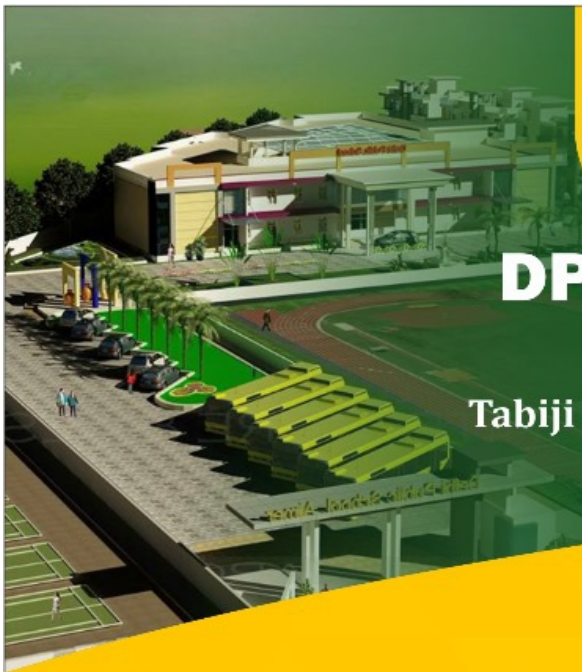

DPS AJMER

Sr. Sec. School

Tabiji Farm Road, Ajmer

ESTABLISHING

The Right Environment

We believe in building a modern culture using both traditional & next-generation tools. So, your child's natural talents can blossom.

SHASHI PAL KUMAWAT
Chairman

Our Activities

Archery & International
Level Shooting Range

Swimming Pool
"DPS Wave Pulse"

Horse Riding Club
Won Laurels at the National Level

Skating Rink

Karate Club
We have won Karate Championship at District, State & National Level.

Art & Craft

Tabiji Farm Road, Near D.D. Puram, Beawar Road, Ajmer

Web: www.dpsajmer.in E-Mail: info@dpsajmer.in

कुमावत प्रगति ट्रस्ट

पता : एफ-31-ए, एस.एल. मार्ग, लालबहादुर नगर प., दुर्गापुरा, जयपुर-302018

संरक्षक	:	जयकिशन सोकिल	**मो. 9829125428**
अध्यक्ष	:	रामप्रकाश कुमावत एडवोकेट	**मो. 9887440666**
उपाध्यक्ष	:	रामप्रकाश कुमावत (मारवाल)	**मो. 9414074376**
सचिव	:	श्रीमती भारती तोंदवाल	**मो. 9414810584**
कोषाध्यक्ष	:	लक्ष्मी नारायण घोड़ीवाल	**मो. 9549656438**
सदस्य ट्रस्टी	:	सी.एम. कुमावत (बड़ीवाल)	**मो. 9829056063**
		रमेश कुमावत (गेदर)	**मो. 9414554322**
		चेतन बालोदिया	**मो. 9414052736**
		मोहन लाल कुमावत	**मो. 9887557425**
मुख्य सलाहकार	:	सुरेन्द्र कुमार वर्मा (नागा)	**मो. 9414994006**
सलाहकार	:	गिरधारी लाल सिंघनवाल	**मो. 9414263429**

सम्पादक मण्डल : रमेश चन्द कुमावत (गैदर) सम्पादक -9414554322, जयसिंह गुड़ीवाल सह-सम्पादक 9461343432, मनीष कुमावत 9660702083, रमेश तोंदवाल 9460870125 रवि कुमावत 9829600411, लक्ष्मीनारायण सिरस्वा 9829791846, उर्वशी बालोदिया 9351680888, प्रिया मारवाल 9408093778 **पदेन सदस्य :** अध्यक्ष, सचिव एवं प्रकाशक।

व्यवस्थापक मण्डल : महेश चन्द जलान्धरा 9828118789, लालचन्द धुंधारिया 9413335998, सुरेन्द्र मारोठिया 9314820385, राजेश धुंधारिया 9314506330, राजेश कुमावत (मरोडिया) 9829097496, अशोक कुमावत -9352070394, श्रीमती शशि कला बालोदिया, मुकेश कारगवाल 9828606056 व राजसिंह बधानिया 9414238799 **उप-कोषाध्यक्ष :** खेमचंद खड़गटा 9829140629 **विधि सलाहकार :** राकेश कुमावत एडवोकेट 9829152561 विशेष आमंत्रित सदस्य : मनोज सिरस्वा।

पत्रिका सहयोगी :

छत्तीसगढ़ : रमेश कुमार तुनवाल **मो. 9425234397 दिल्ली :** राधेश्याम घासोलिया **मो. 9818711580 सूरत :** शुभकरण किरोड़ीवाल **मो. 9898097444 वापी :** कृष्णगोपाल **मो. 9824892299 मुम्बई :** विजय किरोड़ीवाल, **मो. 9867177188 जींद (हरियाणा) :** बलवीर सिंह वर्मा **मो. 9355322301 कोटा :** चन्द्र प्रकाश कांकर **मो. 9214983402 सीकर :** रामगोपाल भोड़ीवाल **मो. 9610784657 उदयपुर :** घनश्याम पटवा **मो. 9460913044,** जगदीश मामोडिया **मो. 9024805687 ब्यावर :** नरेन्द्र आर्य **मो. 8107944493,** रवि बेडवाल **मो. 8290303003 बगरू :** चेनसुख बड़ीवाल **मो. 9929012957 सांगानेर :** सोहनलाल अजमेरा **मो. 9636860812 इंदौर :** नेमीचंद कारवाल **मो. 9993998645 किशनगढ़ :** प्रभुदयाल तुनगरिया **9680931428**

प्रोसेसिंग व मुद्रक : राज ब्लॉक्स, चौड़ा रास्ता व 22 गोदाम, जयपुर

सदस्यता शुल्क रु. : विशिष्ठ संरक्षक- 5000, संरक्षक-3000, 10 वर्षीय-1300 एवं 5 वर्षीय-650

विज्ञापन दरें : अंतिम कवर पृष्ठ-3500, कवर पृष्ठ अन्दर, 3000, अन्दर 1 पृष्ठ-2500, 1/2 पृष्ठ-1300, 1/4 पृष्ठ-700

नोट 1 : संरक्षक सदस्य को आजीवन (25 वर्ष) तक पत्रिका प्रेषित व 1 बार मय फोटो परिचय प्रकाशन, विशिष्ठ संरक्षक का आजीवन पत्रिका व प्रत्येक अंक में 10 वर्ष तक नाम का प्रकाशन।

नोट 2. 12 विज्ञापन निरन्तर देने पर 2 विज्ञापन नि:शुल्क प्रकाशित किये जायेंगे। 6 विज्ञापन निरन्तर देने पर 1 विज्ञापन नि:शुल्क प्रकाशित किया जायेगा।

बैंक खाता : कुमावत प्रगति ट्रस्ट, संख्या 13850110020562 यूको बैंक, गांधी सर्किल, जयपुर, IFS Code : UCBA0001385

यदि राशि सीधे बैंक खाते में स्लिप/ऑनलाइन जमा कराई गई है तो कृपया व्हाट्सएप नं. 9549656438 पर रसीद प्रेषित करें।

स्वत्वाधिकार : कुमावत प्रगति ट्रस्ट के लिए प्रकाशक, मुद्रक सी.एम. कुमावत द्वारा राज ब्लॉक्स, बी-81, करतारपुरा इण्डस्ट्रीयल एरिया, 22 गोदाम, जयपुर से मुद्रित एवं एफ-31-ए, एस.एल. मार्ग, लालबहादुर नगर प., दुर्गापुरा, जयपुर-302018 से प्रकाशित, सम्पादक रमेश चंद कुमावत।

सम्पादकीय

वर्ष 2024 के मई-जून माह में झुलसती गर्मी और नौतपा ने सारा जनजीवन अस्त-व्यस्त कर दिया। उत्तरी-पश्चिमी भारत के हिस्सों में 47 डिग्री से अधिक तापमान की प्रचंडता ने जहां लोगों को घरों के अन्दर रहने को मजबूर कर दिया वहीं पशु-पक्षियों तथा पेड़-पौधों पर भी प्रतिकूल प्रभाव पड़ा। रोजाना पानी देने के बावजूद पौधों की पत्तियां झुलसकर काली हो गयी। वहीं घरों में पानी की उपलब्ध में कमी ने आम लोगों को प्राइवेट टैंकरों से पानी मंगवाने को मजबूर होना पड़ा। इससे उपभोक्ताओं पर अनावश्यक आर्थिक भार पड़ा। आखिर यह स्थिति क्यों आई ? इसके जिम्मेदार हम सभी हैं।

कारण है, दिनों दिन पेड़ों की कटाई, कंकरीट के पहाड़ (आवासीय, व्यावसायिक व औद्योगिक तथा सड़के) पानी का अत्यधिक दोहन करना तथा वाटर हार्वेस्टिंग पर ध्यान नहीं देना। जल स्रोतों के मार्ग को अवरुद्ध करने से तालाबों व बांधों में पानी की आवक को रोकना। वृक्षारोपण पर ध्यान नहीं देना और लगाये गये वृक्षों पर उचित संभाल नहीं करना।

इस बार गर्मी में पखें बेअसर रहे, कूलर ने थोड़ी राहत दी परन्तु गर्मी से छटपटाअट में फिर भी कमी नहीं आई। ए.सी. भी 45 डिग्री से अधिक गर्मी पर फेल हो गये। अत: हमें समस्या की जड़ को समझकर प्रकृति से संतुलन बनाने पर कार्य करना होगा। यह तापमान आगे के सालों में भी जल्द राहत देने वाला नहीं है बल्की समस्या विकट होने की सम्भावना है। जब तक बारिश की एक-एक बूंद को नहीं सहेजा जाएगा तब तक धरती तृप्त नहीं होगी और तपन कम नहीं होगी तो धरती में नमी नहीं होगी। इससे धरती वनस्पति से आच्छांदित कैसे हो पायेगी ?

हमारा समाज, भवन निर्माण कार्य में सदियों से दक्ष रहा है, पहले के बने घर व महलों को देखें तो वे आज भी ठण्डे रहते हैं। इनका अध्ययन करके हमें ऐसे घर डिजाइन करने होंगे जिनमें तापमान का कम प्रभाव हो। इससे जहां इनमें रहने वाले सर्दी-गर्मी के मौसम में राहत महसूस करेंगे वहीं कूलर व ए.सी. की जरूरत नहीं पड़ेगी। इससे बिजली/ऊर्जा की बचत भी होगी तथा पर्यावरण पर प्रतिकूल प्रभाव भी नहीं पड़ेगा। यदि हम ऐसा करने में समर्थ हो पाये तो भवन निर्माण व्यवस्था में कुमावत समाज फिर से उच्चतर स्थिति को प्राप्त कर पायेगा।

शीघ्र वर्षाकाल आने को है, हम सभी ध्यान दें कि घर, ऑफिस, खेत आदि में या आसपास जहां वृक्षारोपण किया जा सकता है, अवश्य करें तथा पेड़-पौधे जीवत कैसे रखे इसका भी ध्यान दें। यदि हम सभी ऐसा कर पाये तो इस धरती को फिर से शीघ्र हरीभरी बना पायेंगे।

-रमेश चन्द्र कुमावत

हमारी वेवबसाइट www.kumawatindiapatrika.in पर आप 'कुमावत इंडिया' पत्रिका के पिछले अंक व अन्य विवरण देख सकते हैं।

सम्पादकीय	3
आर्टिस्ट माधव दास बालोदिया	5
'हमारा राजस्थान सक्षम राजस्थान' के एपिसोड में आर्टिस्ट पृथ्वीराज	5
जयकिशन सोकिल अध्यक्ष के.एल. कुमावत महामंत्री मनोनीत	5
मनोहरलाल कुमावत का निधन पत्रकारिता जगत व समाज के लिए क्षति	6
श्री विद्याधर मोरवाल का निधन, श्री द्वारका कुमावत का निधन	6
विश्व संगीत दिवस पर सजी गीतों भरी शाम 'गीत मेरे मीत'	7
हनुमान सहाय कुमावत अध्यक्ष व कमलेश कुमावत सचिव बने	7
संत गरवाजी का मेला 30 जून को	7
सर्वकुमावत क्षत्रिय महासभा, स्मारिका का होगा प्रकाशन	7
भंदे के बालाजी मेले में की नींबू शिंकजी व पीने के पानी की सेवा	8
स्वामिनी सेवा संस्था ने राहगीरों उपलब्ध कराया ठंडा जल	8
आमरस वितरण कर मनाया जन्मदिवस	8
नि:शुल्क नेत्र जांच एवं स्वास्थ्य शिविर लगाया	8
आधुनिक शिक्षा का संस्कारविहीन रूप !	9
ब्यावर में कैरियर गाइडेंस शिविर आयोजित	9
क्षमा में प्रतिशोध तोड़ने की शक्ति	10
लोकदेवता गोगाजी	11
परिवार : एक परिचर्चा	12
उदारता	13
व्यापार-उद्योग में दृष्टिकोण परिवर्तन	14
26वाँ पाटोत्सव धूमधाम से मनाया	14
देवास में जिला स्तरीय प्रतिभा सम्मान समारोह सम्पन्न	15
संदीप चंगेडीया नगर पालिका एवं नगर परिषद कल्याण संघ अध्यक्ष नियुक्त	15
गोतमपुरा कुमावत समाज चारभुजानाथ मंदिर कार्यकारिणी घोषित	15
कक्षा 10वीं व 12 वी के प्रतिभावान छात्र-छात्राएं	16-18
डायमंड स्कूल आसलपुर ने विद्यार्थियों का सम्मान किया	18
रूड़मल कारगवाल विवाह समिति अध्यक्ष निर्वाचित	18
बच्चों में कृमि संक्रमण	19
साइबर ठगी से बचने के लिए आधार बायोमेट्रिक को लॉक करे	19
सरकोपीनिया (Sarcopenia)	20
लामियाँ सरपंच मामले ने पकड़ा तूल	20
मृतक की पत्नी को नॉमिनी मानते हुए जारी किया उत्तराधिकार प्रमाणपत्र	21
भू-जल संचयन के लिए 'वाटर फिल्टर'	21
सामाजिक ढांचे का मूल आधार महिला सुरक्षा	22
विश्व जनसंख्या दिवस: चुनौतियाँ और अवसर	23
राबड़ी दिवस	23
विशिष्ठ संरक्षक सूची व श्रद्धांजलि	24
विवाह योग्य युवक-युवतियों की सूची	25
कुमावत समाज विकास समिति, तहसील किशनगढ़-रेनवाल द्वारा प्रेषित सूची	26
अकिंचन जी महाराज को सम्मान-पत्र	27
धमाणिया परिवार का उज्जैन धर्मशाला में दो कमरों का निर्माण करने पर सम्मान	27
लक्ष्मीनारायण घोड़ीवाल पेंशन समाज कोषाध्यक्ष मनोनीत	27
वर्ल्ड स्ट्रेंथ लिफ्टिंग के लिए पवन कुमार का हुआ चयन	27
श्रद्धांजलि विज्ञापन	28,30
बधाई एवं वैवाहिक विज्ञापन	29

वैवाहिक

Nishtha Nandiwal

Date of Birth : 27th July 1996 **Height:** 5'2"

Qualification : B.A. L.L.B; L.L.M. (In Business Law from Bharati Vidyapeeth Deemed University).

Occupation : Project Manager, Minus Dispute Legal Strategists, Pune
Currently working as a Team Lead in Professional Services and Contracts at Icertis Solutions, Pune

Gotra : **Self** – Nandiwal **Maternal** – Ambere
Dadi – Machiwal **Nani** – Behere

Family Profile

Grandfather : (Late) Shri Gopal Singh Nandiwal
Occupation : Retired Chief Town Planner, Government of Rajasthan.
Father : Ummed Singh Nandiwal
Occupation : Retired Chief Architect P.W.D. Jaipur, Rajasthan
Mother : Sunita Nandiwal
Occupation : Interior Designer
Brother : Praagya Nandiwal
Education : Pursuing Bachelors in Music, Performance and Production from Vijaybhoomi University, Karjat (Mumbai), Maharashtra
Contact No. : 9887556760 (Father); 7568240360 (Mother)

प्रतिष्ठान : वास्तुकृति आर्किटेक्ट्स
542-543, उदयपथ, श्याम नगर, सोडाला, जयपुर, फोन : 0141-2291995, 9887556760

आर्टिस्ट माधव दास बालोदिया

आदर्शनगर, तिवाड़ी जी का बाग, जयपुर में वर्ष 1952 में श्री फूलचन्द बालोदिया के परिवार में कच्ची झोंपड़ी में माधव दास का जन्म हुआ। इनके पिताजी सब्जी मण्डी में पान-बीड़ी-तम्बाकू की दुकान करते थे। इनके दादाजी श्री मोतीराम बालोदिया स्वेजफार्म, जयपुर में तम्बाकू की खेती किया करते थे। छोटी सी दुकान होने पर भी इनके पिता ने अपनी 10 संतानों को पढ़ा-लिखाकर योग्य बनाया।

माधव दास जी की रुचि बचपन से ही चित्रकला में थी। इन्होंने 10वीं-11वीं कक्षा तक अध्ययन करते हुए चित्र बनाना व दुकानों पर कलात्मक तरीके से नापपट्ट लिखना सीख लिया था साथ ही अध्ययन जारी रखा और कॉलेज की पढ़ाई भी की। किन्तु सिनेमा के उम्दा पोस्टर बनाने के शौक के कारण इनकी पढ़ाई छूट गई। इनकी पेंटिंग में रुचि के कारण ये दिल्ली व मुम्बई जाकर वहाँ 2-3 वर्ष इसकी बारीकियां सीखी। इसके बाद आप विवाह बंधन में बंध गये। जयपुर रहकर आपने विज्ञापन कम्पनियों के होर्डिंग व सिनेमा के पोस्टर बनाकर राजस्थान में अपनी अलग पहचान बनाई। तब ऐसे आर्टिस्ट चंद ही हुआ करते थे।

1982 में जयपुर में आई बाढ़ ने इनका वर्कशॉप व घर का एक हिस्सा तहस-नहस कर दिया तो भी इन्होंने हार नहीं मानी और राजस्थान के अनेक शहरों में जाकर होर्डिंग बनाते रहे। वर्ष 1986 में पुन: वर्कशॉप प्रारम्भ किया। इनके 3 पुत्र : विजय, अजय व संजय तथा पुत्री जया (सभी विवाहित) हैं। तीनों पुत्र सौम्य व्यवहार के हैं तथा आपके व्यवसाय में सहयोग कर रहे हैं। साथ ही समारोह में स्टेज शो सेटअप बनाने, इवेन्ट डेकोरेशन तथा फ्लेक्स प्रिंटिंग का कार्य भी अच्छे स्तर पर करके प्रतिष्ठा प्राप्त की है।

आप पिछले 8 वर्षों से अपने स्वर्गीय माता-पिता की स्मृति में सेवा भारती, आदर्श नगर जयपुर से जुड़कर नि:शुल्क नेत्र जांच एवं चिकित्सा शिविर लगा रहे हैं। आप माँ वैष्णो देवी पदयात्रा समिति से अनेक वर्षों से जुड़े हुए हैं तथा प्रचार कार्य तथा रथरूपी मंदिर बनाकर प्रतिवर्ष यात्रा भिजवाते हैं। ये 'कुमावत इंडिया' पत्रिका के विशिष्ट संरक्षक सदस्य हैं। ये सामाजिक एवं मानवीय कार्यों में अपना योगदान देने को सदैव तत्पर रहते हैं। एक अच्छे आर्टिस्ट व समाजसेवी के रूप में श्री माधव दास बालोदिया ने कुमावत समाज का नाम रोशन किया है। इस प्रतिभावान शख्सियत के कार्यों की प्रशंसा करते हुए **'कुमावत इंडिया'** पत्रिका परिवार श्री माधव दास बालोदिया के उज्ज्वल भविष्य की कामना करता है।

'हमारा राजस्थान सक्षम राजस्थान' के एपिसोड में आर्टिस्ट पृथ्वीराज

रविवार 9 जून 2024 को प्रसारित 'हमारा राजस्थान सक्षम राजस्थान' के एपिसोड में आर्टिस्ट पृथ्वीराज ने भी प्रस्तुती दी। जयपुर की प्रसिद्ध शिल्पकलाओं में जेमस्टोन कार्विंग की अलग ही पहचान है, इस पारम्परिक कला को राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर पहचान दिलाने वाले कलाकारों में एक नाम आर्टिस्ट पृथ्वी राज कुमावत का भी है।

आप इस अद्भभुत आर्ट के द्वारा जयपुर की समृद्ध कला और संस्कृति को दुनिया भर में प्रमोट कर रहे हैं। आपके द्वारा बनाये गए जेमस्टोन कार्विंग की कलाकृतियों में पारंपरिक शिल्प की गहरी समझ और आधुनिक डिज़ाइन का अनूठा संगम देखने को मिलता है, जो न सिर्फ कला के प्रति इनके समर्पण को दर्शाती है, बल्कि जयपुर की प्रतिष्ठित जेमस्टोन कार्विंग की धरोहर को भी सजीव बनाए रखती है।

'कुमावत इंडिया' पत्रिका की ओर से आर्टिस्ट पृथ्वीराज कुमावत को बधाई व शुभकामनाए।

जयकिशन सोकिल अध्यक्ष के.एल. कुमावत महामंत्री मनोनीत

चौमूं। कुमावत समाज विकास संस्थान की आमसभा 9 जून 2024 को प्रभातीलाल मामोडिया की अध्यक्षता में हुई। आम सभा में कार्यकारिणी तथा सदस्यों का सम्मान किया गया तथा सामुहिक विवाह सम्मेलन व प्रतिभा सम्मान समारोह आयोजित करने का निर्णय लिया गया। इस अवसर पर श्री जयकिशन सोकल (समाजसेवी) अध्यक्ष, कन्हैयालाल तूंदवाल महामंत्री, श्यामलाल उपाध्यक्ष तथा श्री कृष्ण कुमावत कोषाध्यक्ष मनोनीत किये गये तथा उन्हें शपथ दिलाई गई।

'कुमावत इंडिया' पत्रिका की ओर से श्री जयकिशन सोकिल व नवनियुक्त पदाधिकारियों को हार्दिक बधाई।

मनोहरलाल कुमावत का निधन पत्रकारिता जगत व समाज के लिए अपूरणीय क्षति

सामाजिक व साहित्यिक परिवेश को अपने लेखन से समृद्ध करने वाले लेखक व पत्रकार मनोहर लाल कुमावत का दिल का दौरा पड़ने से 4 जून को निधन हो गया। मनोहर लाल कुमावत 'कुमावत जागृति' पत्रिका, उज्जैन के प्रधान सम्पादक थे। मनोहर लाल कुमावत ने पत्रकारिता के लिए कई मापदंड तय किए थे। विशेषकर कुमावत समाज की पत्रकारिता में उनका विशेष योगदान रहा। उनके निधन से कुमावत समाज को बहुत बड़ी क्षति हुई है। मनोहरलाल कुमावत पत्रकारिता और समाजसेवा के क्षेत्र में हमेशा सक्रिय रहे। उनके इस योगदान के लिए उनको हमेशा याद किया जायेगा। मनोहर लाल कुमावत बहुत ही सहज व सरल इंसान थे। चाहे पत्रकारिता की बात हो या फिर समाज के उत्थान की। वे सक्रिय भूमिका निभाते थे।

'कुमावत इंडिया' पत्रिका, जयपुर के अध्यक्ष रामप्रकाश मारोठिया ने कहा कि मनोहरलाल जी के असामयिक निधन से मुझे गहरा आघात पहुंचा है। उनका यूं चले जाना पत्रकारिता व समाज के लिए अपूर्णीय क्षति है। सम्पादक रमेश गैदर ने कहा कि मनोहरलाल जी स्वतंत्र एवं सटीक लेखन में विश्वास करने वाले पत्रकार थे। उन्होंने सदैव कुमावत समाज के हित में अपनी लेखनी को अन्त समय तक विराम नहीं दिया। सह सम्पादक जयसिंह गुडीवाल ने कहा कि उनके निधन की खबर से मैं स्तब्ध हूं। वे बहुआयामी व्यक्तित्व के धनी थे। समाज ने एक प्रतिभाशाली पत्रकार को खो दिया है। किन्तु उनकी लेखनी सदैव पत्रकारों को प्रेरित करती रहेगी।

'कुमावत इंडिया' पत्रिका परिवार ने श्री मनोहरलाल कुमावत को अश्रुपूर्ण श्रद्धांजलि अर्पित की तथा ईश्वर से प्रार्थना की कि वे इन्हें अपने श्री चरणों में स्थान देवें।

श्री विद्याधर मोरवाल का निधन

श्री विद्याधर नथमल मोरवाल निवासी अंधेरी, मुम्बई (मूल निवास झुंझुनूं) का 12 जून, 2024 की रात्री को असामयिक निधन हो गया। इनके निधन से कुमावत समाज मुम्बई, झुंझुनूं, उदयपुर आदि स्थानों पर शोक की लहर व्याप्त हो गई।

आप मुम्बई कुमावत समाज के पूर्व अध्यक्ष रहे हैं तथा इनके कार्यकाल में अनेक सामाजिक गतिविधियां हुई तथा समाज के अनेक गणमान्य लोग संस्था से जुड़े थे। ये सौम्य स्वभाव तथा मृदु व्यवहार के थे तथा अपने व्यवसाय में भी दक्ष थे। इनके निधन से समाज में जो रिक्तता आई है उसे भरना सम्भव नहीं है। 'कुमावत इंडिया' पत्रिका परिवार को इनके निधन से दु:ख हुआ है तथा इन्हें सादर श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए ईश्वर से प्रार्थना करते हैं कि इन्हें अपने श्री चरणों में स्थान दें।

श्री द्वारका कुमावत

13 जून 2024 को श्री द्वारका कुमावत का निधन हो गया। ये कुमावत समाज, कोटा के पूर्व अध्यक्ष थे तथा सामाजिक कार्यों में सदैव आगे रहते थे। ये लम्बे समय से जयपुर में पत्थर का व्यवसाय कर रहे थे। कैंसर रोग ने इन्हें हमसे छीन लिया। इनके जाने से समाज में जो शून्यता आयी है उसे नहीं भरा जा सकेगा।

'कुमावत इंडिया' पत्रिका परिवार श्री द्वारका कुमावत को श्रद्धांजलि देते हुए ईश्वर से प्रार्थना करता है कि इनकी आत्मा को अपने चरणों में स्थान दे।

श्रद्धांजलि
10वीं पुण्यतिथि
28.06.2024
स्व. डॉ. देवीलाल वर्मा (हान्या)
हम सब परिवारजन अश्रुपुरित श्रद्धांजलि अर्पित करते हैं।

स्व. 20.06.2014

श्रद्धान्वत :
धर्मपत्नी : श्रीमती श्यामा देवी - 99295 88490
पुत्र - पुत्रवधु : डॉ. भूपेश डी. वर्मा (व्याख्याता राज. महाविद्यालय, शिवगंज) 9829014178 - सुनीता वर्मा
धीरज वर्मा (पुलिस निरीक्षक, राजस्थान पुलिस) 9929442200 - मंजू वर्मा
डॉ. नीलकमल वर्मा 9672982592 (जैनपेक्ट, जयपुर) - निशा वर्मा
पुत्री - दामाद : दीपा - सुरेन्द्र कुमावत (प्रशासनिक अधिकारी, एल.आई.सी.)
भतीजे : ओमप्रकाश, मनीष, विजय कुमार, गजेन्द्र
पौत्रियाँ : डीमियाँ, कोनिया, निकिता, गर्विता, दीपिता
पौत्र : लोवेश, दोहित्री : जूही

निवास : 72, एस.बी. विहार, गली नं. 5, महिमा अपार्टमेंट्स के पास,
न्यू सांगानेर रोड़, जयपुर - 302 019

विज्ञापन

विश्व संगीत दिवस पर सजी गीतों भरी शाम 'गीत मेरे मीत'

जयपुर। विश्व संगीत दिवस के अवसर पर नारायण सिंह सर्किल स्थित प्रेस क्लब में गीतों भरी शाम 'गीत मेरे मीत' गीत-संगीत के रस से गुलजार हो उठा। मंजरी फाउण्डेशन के तत्वाधान में आयोजित कार्यक्रम का शुभारंभ विशिष्ट अतिथि भाजपा ओबीसी मोर्चा, जयपुर शहर के जिलाध्यक्ष चेतन कुमावत, सुनील नाटाणी, रेशमा खान, अमला बत्रा, डॉ. अरुण कसुंबीवाल, कृष्ण कन्हैया मीणा, अजय गुप्ता व उम्मेद सिंह नांदीवाल ने दीप प्रज्वलित कर किया। कार्यक्रम में बोर्ड परीक्षा में 90% से अधिक अंक लाने वाली छात्राओं का सम्मान भी किया गया। मंच संचालन प्रियंका कुमावत ने किया।

रश्मि बालोदिया के 'आज कल पांव जमीं पर.....', मोहन कुमार बालोदिया के 'रोते हुए आतें हैं सब...', सुनीता नांदीवाल के 'मैं तो तुम संग...' व वर्षा विजय के 'ये दिल और उनकी ...' गानों की प्रस्तुति ने माहौल में मिठास घोल दी। साथ ही डा. सुरभि चंदानी के 'प्यार हुआ चुपके से....', भारत ओझा के 'नीले-नीले अंबर', मनीषा जैन के 'जीवन के दिन...', विशाल शर्मा के 'ऐ जिंदगी गले लगा ले...', बेला माथुर के 'चलो सजना', अंशुमन शर्मा के 'चांद सी महबूबा हो...' के प्रभावी गायन से गुजरे जमाने की इस गीतमाला को सार्थक कर दिया। ऑक्टोपैड पर दुर्गेश बालोदिया, गिटार पर अंशु सक्सैना व ढोलक पर महेन्द्र शर्मा ने गीतों की धुनों के जादू को जीवंत किया। आदित्य सोडा ने की बोर्ड, आशीष कुमार ने तबला वाद्यवृद में भरपूर साथ दिया।

हनुमान सहाय कुमावत अध्यक्ष व कमलेश कुमावत सचिव बने

तेज विहार व तेजा विहार ए विकास समिति, गोविंदपुरा निवारू लिंक रोड की आम सभा संपन्न हुई।

जिसमें सर्वसम्मति से हनुमान सहाय कुमावत अध्यक्ष, कमलेश कुमावत सचिव, प्रेमदास वर्मा कोषाध्यक्ष व रमेश कुमावत उपाध्यक्ष नियुक्त किया गया। साथ ही अशोक कुमावत, लक्ष्मी नारायण कुमावत, नानुराम कुमावत, संजीव कुमावत, कजोड़मल कुमावत को कार्यकारिणी सदस्य के पद पर चुना गया। 'कुमावत इंडिया पत्रिका' की ओर से सभी पदाधिकारी को हार्दिक बधाई व शुभकामनाएं।

संत गरवाजी का मेला 30 जून को

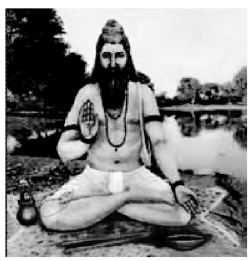

कुमावत जाति के संस्थापक संत श्री गरवाजी की पुण्यतिथि पर वार्षिक मेला 30 जून को उनकी समाधी स्थल लौद्रवा जैसलमेर में आयोजित होगा। यह जानकारी अखिल भारतीय कुमावत संत श्री गरवाजी सेवा समिति के अध्यक्ष राजूराम बग ने दी। कुमावत समाज के संस्थापक संत श्री गरवाजी महाराज का जन्म भिडकमल भाटी परिवार में हुआ था। उनको यौवन अवस्था में वैराग्य उत्पन होने से उन्होनें गृह त्याग कर संत बने तथा उन्होनें तत्कालीन समय में समाज में व्याप्त कुरीतियों का जोरदार खण्डन करते हुए पुर्नविवाह अपनाने के लिए अपने शिष्यों को राजी कर एक नई कुमावत जाति की स्थापना की। इनकी समाधी लौद्रवा जैसलमेर में है। उनकी स्मृति में हर वर्ष की भांति इस बार 30 जून को मेले का आयोजन किया जाएगा तथा 1 जुलाई को भण्डारा होगा। इसमें प्रतिवर्ष हजारों कुमावत जन सम्मिलित होते हैं।

सर्वकुमावत क्षत्रिय महासभा

स्मारिका का होगा प्रकाशन

सर्वकुमावत क्षत्रिय महसभा (रजि.) जयपुर एक स्मारिका प्रकाशित करने जा रही है, इसका प्रकाशन करने के लिए मुझे (लक्ष्मीनारायण घोड़ेवाील) को मनोनीत किया गया है। स्मारिका में लेख, कविताएं, समाज की सम्पत्तियों का विवरण, राजनैतिक व सामाजिक नेतृत्व का परिचय नि:शुल्क प्रकाशित किया जाएगा। लेखन सामग्री व विज्ञापन 1 अगस्त, 2024 तक भेजे जा सकते हैं। विज्ञापन का शुल्क कवर पेजों का रु. 25,000, अंदर के पेजों का रु. 3100, आधा पेज रु. 2100, चौथाई पेज रु. 1100 तथा पट्टिका रु. 500 रखा गया है। विज्ञापन शुल्क सर्वकुमावत क्षत्रिय महासभा के बैंक खाता संख्या 21600100025106 बैंक ऑफ बड़ौदा, नेहरू प्लेस टोंक रोड, जयपुर IFSC Code : BARBONESHJAI में जमा कराकर विज्ञापन सामग्री संस्था को UTR नं. के साथ भिजवाने हेतु कहा गया है। प्रकाशित स्मारिका का विमोचन 15 सितम्बर, 2024 को अधिवेशन में किया जाएगा।

– लक्ष्मीनारायण घोड़ीवाल, मो. 9549656438

भंदे के बालाजी मेले में की नींबू शिंकजी व पीने के पानी की सेवा

भंदे के बालाजी मंदिर में तीन दिवसीय मेला बड़ी धूमधाम से लगा। ओम एज्युकेशनल ग्रुप के निदेशक कैलाश चंद कुमावत ने बताया कि मेले में आने वाले भक्तों को पानी की परेशानी न हो इसको ध्यान में रखते हुए नींबू शिंकजी व जल सेवा की है। जल ही जीवन है, जल के बिना कुछ नहीं है। इस कार्य में हमारें युवा साथियों को अधिक योगदान रहा।

भाजपा ओबीसी मोर्चा, जयपुर शहर के जिलाध्यक्ष चेतन कुमावत ने कहा कि जल सेवा ही वास्तव में मानवता की सेवा है और इसे हमें पूरे सेवा भाव से करना चाहिए। इस तरह के आयोजन से हर व्यक्ति के अंदर सेवा करने की भावना पैदा होती है। प्रशासन अकेला कुछ नहीं कर सकता है। जब तक कि इसमें आम लोगों की सहभागिता न हो। इस अवसर पर रोहिणी कुमावत, जयसिंह गुडीवाल, संदीप कुमावत, जुगल किशोर, ओमप्रकाश, महेश, रितेश कुमावत, दीपक बड़ीवाल ने उपस्थित होकर जल सेवा दी।

स्वामिनी सेवा संस्था ने राहगीरों उपलब्ध कराया ठंडा जल

इन दिनों तापमान 45 डिग्री के ऊपर पहुंच गया है। गर्मी व लू से जीवन अस्त व्यस्त है। तपती दोपहर में अगर पानी मिल जाए तो लगता है कि मानो नया जीवन मिल गया है। संस्था के अध्यक्ष अशोक कुमावत ने बताया कि शहर में सार्वजनिक स्थानों पर ठंडे पानी की व्यवस्था न होने के कारण संस्था पानी की ठंडी बोतलों द्वारा लोगों की प्यास बुझा रही है। भीषण गर्मी में राहगीरों

को पानी उपलब्ध कराकर स्वामिनी सेवा संस्था सच्ची मानव सेवा कर रही हैं।

जमीनी धरातल पर हमेशा स्वामिनी सेवा संस्था इस तरीके की मुहिम को आगे बढ़ाती है जो संस्था को अलग बनाती है कार्यक्रम को सफल बनाने में गोविन्द कुमावत, महेन्द्र कुमावत, गुरूदयाल कुमावत, रामअवतार कुमावत कैलाश कुमावत, हेमन्त गुप्ता लालचन्द्र शर्मा की महत्वपूण भूमिका है।

आमरस वितरण कर मनाया जन्मदिवस

अक्सर आपने देखा होगा कि जन्मदिन के मौके पर लोग केक काटते हैं, फूल-माला, पुष्पगुच्छ देकर बधाई देते हैं व बड़े बड़े होटलों में पार्टी का आयोजन करते है। बदले जमाने के साथ आजकल जन्मदिवस भी अलग अंदाज में मनाया जाने लगा है। जयपुर के बनीपार्क में रहने वाले सत्यनारायण कुमावत रिटायर्ड एडिशनल एस.पी. ने अपने जन्मदिवस को अंनूठे अंदाज में मनाया। कुमावत ने 2 जून जन्मदिन के अवसर पर भीषण गर्मी से मरीजों, परिजनों व राहगीरों को राहत पहुंचाने को लेकर एसएमएस हॉस्पिटल के बाहर आमरस का वितरण किया। इस दौरान सैंकडों मरीजो, परिजनों व राहगीरों ने आमरस

का आनंद लिया तथा कुमावत परिवार के सदस्यों को धन्यवाद दिया। कुमावत अपनी पोती अनुकृति की याद में जरूरतमंदों को सामग्री का वितरण करते है, ताकि जरूरतमंदों की दिक्कतें दूर हों। इस परिवार के द्वारा की गए नवाचार की चंहु ओर प्रशंसा हो रही है। आसीवाल परिवार जन्मदिन अथवा अनेकों अवसर पर सेवा भाव के कार्य करते रहते हैं।

इस अवसर पर राकेश आसीवाल, मीना कुमावत, जयसिंह कुमावत, संदीप कुमावत, उषा कुमावत, राकेश सोनी, पंकज सिरोहिया सहित अनेक लोग मौजूद रहे।

नि:शुल्क नेत्र जांच एवं स्वास्थ्य शिविर लगाया

सेवा भारती आदर्श नगर इकाई के सहयोग से माधव दास बालोदिया (आर्टिस्ट माधव) द्वारा अपने स्व. माता - पिता श्री फूलचन्द बालोदिया व श्रीमती फूला देवी पुण्य स्मृति में 2 जून 2024 को श्रीकृष्ण मन्दिर, 20 दुकान आदर्श नगर, जयपुर में नि:शुल्क नेत्र जाँच व लैंस प्रत्यारोपण एवं स्वास्थ्य जाँच और तम्बाकू मुक्ति हेतु शिविर लगाया गया ।

शिविर में नेत्र जाँच (लैंस प्रत्यारोपण), सामान्य रोग, सुजोक-एक्यूप्रेशर आयुर्वेदिक, होम्योपैथिक, दन्त रोग, तम्बाकू छोड़ना बॉडी मॉस इन्डेक्स (BMI) की जाँच व उपचार परामर्श दिया गया एवं आवश्यक दवाईयाँ भी वितरण की गई। शिविर में अनुभवी व विशेषज्ञ डॉक्टरों ने 485 मरीजों को चिकित्सा सेवा व परामर्श सेवायें प्रदान की।

आधुनिक शिक्षा का संस्कारविहीन रूप !

शिक्षा एक शक्ति है। और यह शक्ति है जीवन संवाहिका। जिस शिक्षा से खुशी तथा शान्तिपूर्ण जीने की परिपुष्टि न होती है, वह क्या है। कहा नहीं जा सकता! प्रश्न खड़ा होता है- 'यह कैसी शिक्षा है जो चारों ओर फैली हुई दीनता की त्राहि-त्राहि की पुकार सुनने योग्य भी नहीं बनाती ? वह शिक्षा, शिक्षा नहीं है जो संवेदनशून्य व निष्क्रिय बना दे।' विडम्बना यह है कि आये दिन शिक्षित युवाओं द्वारा जिन कारनामों को अंजाम दिया जा रहा है, वे चौंकाने वाले हैं। और तब प्रतीत होता है कि हमारी शिक्षा संस्कारविहीन है। सुसंस्कारों के अभाव में मानवीय मूल्य समाधिस्थ हो चले हैं।

शिक्षा, **सत्यं-शिवं-सुन्दरम्** का मूर्त रूप है। शिक्षा में शिवं तत्त्व की अनुपस्थिति उसे 'शव' बना देती है। और यह 'शव' निस्सारता का परिचायक है। राष्ट्रपिता महात्मा गांधी ने कहा था कि समस्त ज्ञान का लक्ष्य, चरित्र निर्माण होना चाहिए। चरित्र के बिना शिक्षा तथा पवित्रता के बिना चरित्र, व्यर्थ है। कोरा ज्ञान वैसा ही है जैसा सुगंधित बनाया गया मुर्दा। कहना न होगा कि ज्ञान वही सिद्ध है, जिससे मानव का हित हो। कष्टों को बढ़ाने वाला ज्ञान, मानवीय मूल्यों से रहित एवं विवेकहीन है। मानव-व्यवहार के धरातल पर सत्य, अहिंसा, प्रेम, सहिष्णुता, नैतिकता, शील, सदाचरण तथा लोक मंगल की भावना का समेकन मानवीय मूल्यों को परिभाषित करते हैं। नि:संदेह ये ही जीवन-मूल्य अध्यात्म से जुड़कर विश्व-पटल पर मानवता के संवाहक बनते हैं जो अन्तत: विश्वबंधुत्व के पोषक सिद्ध होते हैं।

समझ में आता है कि जिस मनोभूमि पर आज नवयुवक विचरण कर रहा है तथा प्रगतिशील होने का दावा ठोक रहा है, उसकी मनोवृत्ति को पलटना सहज नहीं, अति दुस्तर कार्य है। कारण स्पष्ट है कि अति बौद्धिकता, स्वच्छंदता तथा अश्लीलता के आवरण ने हमें विवेकहीन बना दिया है, उससे छुटकारा दिलाना शिक्षा में किया जाने वाला कोई भगीरथ प्रयत्न ही हो सकता है। जिन्हें अपनी जन्म भूमि से ही घृणा है, उन युवकों पर इन स्वरों का क्या प्रभाव पड़ेगा, जाना जा सकता है।

सत्य तो यह है कि दुर्गति से निपटने के लिए हमें गंभीरतापूर्वक पुनर्विचार करने की आवश्यकता है। हम कौन थे, क्या हो गये हैं, और क्या होंगे ? अभी पाश्चात्य देशों और भारतीय मूल्यों में आकाश-पाताल का अन्तर है। यह अन्तर सिर्फ और सिर्फ दार्शनिक विचारधारा को लेकर है। 'व्यक्ति' की प्रगति से सम्बंध व विचारधारा का तालमेल उस उदात्त सदाशयता से कैसे बैठेगा जो '**वसुधैव कुटुम्बकम्**' से अभिमंत्रित है। इस रूप में शिक्षा संस्कारों की जननी है तथा ये सुसंस्कार ही शिक्षा द्वारा प्रदत्त 'मानवीय मूल्य' हैं। जहां शाश्वत सुसंस्कार पलते हैं, उन्हीं शिक्षालयों में इंसान ढलते हैं। ये इंसान ही सत्य, अहिंसा, प्रेम, सहानुभूति, संवेदना, क्षमा, दया आदि मूल्यों को लेकर चलते हैं। हमारे शैक्षिक विषयों में शाश्वत जीवन मूल्यों का सर्वथा लोप नहीं है, किन्तु, शिक्षण के समय विषयगत ज्ञान की प्रधानता ही रहती है। इससे, इन मानवीय मूल्यों की उपस्थिति गौण हो जाती है। यथार्थत: इन मानवीय मूल्यों का मूल्यांकन से भी सीधा सम्बन्ध नहीं है। अत: प्रश्न-पत्र सर्वप्रकारेण मूल्यों की उपेक्षा करता हुआ मौन बना रहता है ।

मुकेश कुमावत बोराज
मो. 8385000205

ब्यावर में कैरियर गाइडेंस शिविर आयोजित

9 जून। ब्यावर। कुमावत समाज ने केरियर गाइडेंस शिविर का आयोजन किया, जिसमें लगभग 100 छात्र-छात्राओं ने भाग लेकर विविध विषयों के विशेषज्ञों से कैरियर गाइडेंस (सलाह) ली। शिविर में शिक्षाविद् व साहित्यकार मोहन राजेश मुख्य अतिथि थे। उन्होंने कहा कि बच्चों की रुचि व क्षमता दोनों ध्यान रखकर अभिभावक उन्हें विषय दिलावें। पीएमओ डॉ. लोकेश कुमावत ने कहा कि इस शिविर के माध्यम से केरियर गाइडेंस एक अच्छा प्रयास है, यह बच्चों को आगे बढ़ने के लिए मार्गदर्शन देता है। सेवानिवृत्त अभियंता यादवराज देवतवाल ने स्वामी विवेकानन्द ने उद्‌बोधन से बच्चों को प्रेरित कर कहा कि अपने लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए सदैव जागरूक रहें और परिश्रम करें।

शिविर में 10वीं व 12वीं के बच्चे अपने अभिभावकों सहित बैठे तथा बैंकिंग, इंजीनियरिंग, चिकित्सा, सीए, सीएस, शिक्षा, व्यापार, उद्योग व कला के विशेषज्ञों से परामर्श किया। शिविर में डॉ. सुनील कुमावत, डॉ. अमित कुमावत, इंजीनियर संतोष, डॉ. वंशिका, एडवोकेट महेन्द्र कुमावत, प्रकाश कुमावत, अजिता कुमावत, छोटू लाल घोड़ेला, भूपेन्द्र खाटूवाल, रोशन मारवाल दिनेश चांदोरा, हेमन्त नोखवाल, जगदीश देवतवाल, हेमन्त जलान्धरा, राजेश दम्बीवाल, सत्यनारायण बबेरीवाल ने मार्गदर्शन दिया। शिविर में नवयुवक मण्डल, महिला मण्डल तथा समाज के गणमान्य लोगों की भागीदारी व व्यवस्था रही। कार्यक्रम का संचालन रवि बेड़वाल ने किया। वह शिविर बच्चों को भविष्य संवारने में मदद करेगा।

क्षमा में प्रतिशोध तोड़ने की शक्ति

क्षमा धर्म है, क्षमा यज्ञ है, क्षमा वेद है और क्षमा शास्त्र है। जो इस प्रकार जानता है, वह सब कुछ क्षमा करने योग्य हो जाता है।

7 जुलाई को विश्व क्षमा दिवस मनाया जावेगा, इसका उद्देश्य है अपनो से मतभेदों को दूर करना। 'क्षमा' सम्बन्धों के लिए उपचार शक्ति है। यह दिवस व्यक्तिगत स्थास्थ्य के एक तत्व के रूप में क्षमा को प्रोत्साहन करने के लिए मनाया जाता है।

इस दिन हम अपने लोगों की गलतियों को भुलाकर नई शुरुआत कर सकते हैं। यह रिश्तों को ठीक करने का मौका है तथा आपसी द्वेष, नाराजगी और क्रोध को दूर किया जाकर आपसी कड़वाहट को मिटाया जा सकता है। इससे तनाव व अवसाद में कमी आती है। क्षमा के सम्बन्ध में विद्वजनों के कथन इस प्रकार हैं-

- क्षमा वीरस्य आभुषणम्।
- क्षमा कर देना वीरों का श्रृंगार है।
- क्षमा प्रेम का ही एक रूप है।
- क्षमा बड़न को चाहिये, छोटन को उत्पात। कह रहीम हरि का घट्यो, जो भृगु मारी लात। **-रहीम दास जी**
- कमजोर कभी क्षमा नहीं कर सकते। क्षमा ताकतवर की निशानी है। **- महात्मा गांधी**
- क्षमावानों के लिए यह लोक है। क्षमावानों के लिए ही परलोक है। क्षमाशील पुरुष इस जगत में सम्मान और परलोक में उत्तम गति पाते हैं। **-वेद व्यास**
- भली-भली सब कहे, रही क्षमा ठहराया। कहे कबीर शीतल भया, क्षमा जो आग बुझाय। **-कबीर दास जी**
- क्षमा पर मनुष्य का अधिकार है, वह पशु के पास नहीं मिलती। **-महाकवि जयशंकर प्रसाद**
- इस जगत में क्षमा वशीकरण रूप है। भला क्षमा से क्या नहीं सिद्ध होता? जिसके हाथ में शांतिरूपी तलवार है, उसका दुष्ट पुरुष भी कुछ नहीं बिगाड़ सकते। **- विदुर नीति**
- जहां दया वहां धर्म है, जहां लोभ वहां पाप। जहां क्रोध वहां काल है, जहाँ क्षमा वहाँ आप। **-कबीर दास**
- क्षमा करना एक मजेदार चीज है। यह दिल को गर्म कर देती है और चुभन को शांत कर देती है। **- विलियम एम. बोर्ड**
- क्षमा करना बहादुरों का गुण है, माफ करना सीखें। **-इंदिरा गांधी**
- हम सोचते हैं कि क्षमा करना कमजोरी है, क्षमा करने के लिए एक बहुत मजबूत व्यक्ति की आवश्यकता होती है। **-टी.डी. जेक**
- क्षमा करें, यदि आप कभी क्षमा नहीं जानते हैं तो आप उन आशीषों को कभी नहीं जान पाएंगे, जो परमेश्वर देता है। **- रूमी**
- क्षमा करना ईश्वर का आदेश है। **-मार्टिन लूथर**
- क्षमा, प्रेम का अंतिम रूप है। **- रीन होल्ड नीबूर**
- करुणा में बड़प्पन है, सहानुभूति में सुन्दरता है, क्षमा में अनुग्रह है। **-जॉन कोनोली, आयरिश लेखक**
- दूसरों को क्षमा करें, इसलिए नहीं कि वे क्षमा के पात्र हैं बल्की इसलिये कि आप शांति के पात्र हैं। **-जोनाथन हुई**

महत्व : वैश्विक क्षमा दिवस प्रतिवर्ष मनाया जा रहा है। यह व्यक्तियों और समुदायों को उपचार व सद्भाव के उत्प्रेरक के रूप में क्षमा को अपनाने को प्रेरित करता है। इससे आन्तरिक शांति खोजने में मदद मिलती है तथा दयालुता व समझदारी विकसित होती है।

क्षमा से हम विभाजन को पाटने और पुल बनाने के लिए असाधारण क्षमता को महसूस कर सकते हैं। पिछले अपराधों को क्षमा करके, समाज अधिक सामंजस्यपूर्ण भविष्य का मार्ग प्रशस्त करते हुए, मेल-मिलाप और उपचार की दिशा में एक मार्ग बना सकता है। दुनियाभर में संघर्ष समाधान और शांति स्थापना के प्रयासों में क्षमा एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। इसमें प्रतिशोध और हिंसा के चक्र को तोड़ने की शक्ति है।

अध्ययनों से साबित हुआ है कि जो लोग क्षमा करते हैं वे क्रोध करने वालों की तुलना में अधिक खुश रहते हैं। जब हम किसी को माफ करने के बारे में सोचते है तो उनके हृदय और तंत्रिका तंत्र की कार्यप्रणाली तथा प्रतिरक्षा प्रणाली में सुधार होता है तथा कम से कम बीमार होते हैं। विश्व क्षमा दिवस का उद्देश्य है क्षमा की उपचारक शक्ति तथा शांतिपूर्ण जीवन के लिए इसके महत्व के बारे में जागरूकता फैलाना। यह दिन हमें याद दिलाता है कि लोगों को क्षमा करने से सभी दर्दनाक पाप घुल जाते हैं और एक नई यात्रा शुरू होती है।

विभिन्न धर्मों एवं धार्मिक साहित्यों में क्षमा के बारे में कथन है:

- सभी प्रमुख धार्मिक परम्पराएं मूलत: एक ही संदेश देती है, वह है प्रेम, करुणा और क्षमा, महत्वपूर्ण बात यह है कि इन्हें हमारे दैनिक जीवन का हिस्सा होना चाहिये।-**दलाई लामा**
- **यीशु** ने अपने सूली पर चढ़ने के दौरान भगवान से उन लोगों को क्षमा करने के लिए कहा जिन्होंने उसे सूली पर चढ़ाया था।
- **ईसाई** धर्म में क्षमा करना मसीह और साथी विश्वासियों के प्रति समर्पण की अभिव्यक्ति है।
- **इस्लाम** में-अल्लाह अल-गफ्फुर (अक्सर क्षमा करने वाला)

है और सभी क्षमा (गुफारान) का मूल स्रोत है। पश्चाताप के साथ अल्लाह से क्षमा मांगना एक पुण्य है।

- **कुरान और हदीस** में क्षमा करने की सलाह देने वाली अनेक आयतें है।
- जो क्षमा करता है और पुरानी बीती बातों को भूल जाता है। उसे ईश्वर की ओर से पुरस्कार मिलता है। **-कुरान**

बौद्ध धर्म में क्षमा हानिकारक विचारों को किसी के मानसिक स्वास्थ्य पर कहर ढाने से रोकती है। घृणा और दुर्भावना की भावनाएं हमारे मन-कर्म पर स्थाई प्रभाव डालती है। बौद्ध धर्म बदला लेने की नहीं बल्कि 'मेत्ता' (प्रेमपूर्वक दया) और क्षमा का अभ्यास की बात करता है।

हिन्दु धर्म क्षमा को हिन्दु धर्म ग्रन्थों में छह प्रमुख गुणों में माना गया है। ऋग्वेद में, वरुण देवता को समर्पित छंदों में क्षमा की चर्चा की गई है।

रामायण ग्रन्थ में सीता ने राम को उस कोऐं को क्षमा करने को कहा जिसने उसे नुकसान पहुंचाया था।

महाभारत में कहा गया है कि (i) क्षमा ही पुण्य है, क्षमा ही त्याग है, क्षमा ही श्रुति है। क्षमा ही भविष्य के तपस्वी पुण्य की रक्षा करती है, क्षमा की तप है, क्षमा ही पवित्रता है तथा क्षमा से ही जगत का बंधन है। -वन पर्व खण्ड XXIX

(ii) धर्म ही सर्वोच्च भलाई है, क्षमा ही परम शांति है तथा परोपकार ही एकमात्र सुख है। -उद्योग पर्व खण्ड XXXIII

अष्टावक्र गीता: राजा जनक ने जब पूछा कि हे प्रभु, ज्ञान कैसे प्राप्त होता है, मुक्ति कैसी होती है ? तो अष्टावक्र ने उत्तर दिया कि यदि तुम मुक्ति चाहते हो, तो कल्पित वासनाओं को विष के समान त्याग दो तथा क्षमा, अबोधिता, करुणा, संतोष और सत्य को अमृत के समान ग्रहण करों।

संस्कृत ग्रन्थों में क्षमा शब्द को कृपा (कोमलता), दया और करुणा के साथ जोड़ा गया है।

जैन धर्म : धर्म की दस विशेषताओं में से एक है 'क्षमा'। संवतसरी के दौरान पर्यूषण के अंतिम दिन जैन धर्मावलम्बी 'मिच्छामी दुक्कड़म' का उच्चारण करके माफी मांगते हैं। मित्रों और रिश्तेदारों से मिलकर, टेलीफोन से, व्हाट्सएप या मैसेज आदि के माध्यम से जैन लोग इस दिन माफी मांगते हैं। कोई भी निजी झगड़ा या विवाद संवतसरी से आगे नहीं बढ़ाने की परम्परा है। महावीर स्वामी के अनुसार क्षमा मांगने से मन की प्रसन्नता होती है और वह सभी जीवों के प्रति दयालु स्वभाव प्राप्त करता है। इससे चरित्र की शुद्धता और भय से मुक्ति मिलती है। (महावीर उत्तराध्ययन सूत्र 29:17-18)

आप स्वयं अपने कार्यों एवं व्यवहार पर भी मंथन करें। क्षमा दिवस के दिन आप भी क्षमा करने योग्य लोगों की सूची बनाएं। उनसे मिलकर उन्हें क्षमा करें और फिर से मेलजोल का सामान्य व्यवहार बनाए। यह रिश्तों में चमत्कार ला देगा।

- रमेश गैदर

लोकदेवता गोगाजी

राजस्थान के लोकदेवताओं में से एक वीर गोगाजी हैं, जो सर्पदंश के विष से मुक्तिदाता के लिए जन-जन में विख्यात है। इनका प्रमुख धाम (स्थान) गोगामेडी, नोहर, हनुमानगढ़ (राजस्थान) में हैं। यहां गोगाजी की स्मृति में प्रतिवर्ष भाद्रपद मास की कृष्णपक्ष की नवमी को भव्य एवं विशाल मेला भरता है। इस मेले में राजस्थान के अलावा हरियाणा, पंजाब, उत्तर प्रदेश, हिमाचल प्रदेश, उत्तरांचल, जम्मू कश्मीर, गुजरात आदि स्थानों से श्रद्धालु गोगामेडी आते हैं। अनेक आस्थावान लोग पैदल संघ में ऊँचे निशान (झण्डे) लेकर गाते-बजाते-थिरकते यहां पहुंचते हैं। कुछ भक्त अपने हाथों में लोहे से बनी सांखलों का गुच्छा लेकर अपनी पीठ पर मारते हैं। ये भक्त ''गूगा की मढ़ाई मढ है'' तथा ''गोगापीर तेरो लग्यो उमावो'' का जयघोष करते हैं।

मेले में यात्रीगण पीले वस्त्र पहनकर आते हैं। इससे गरीब-अमीर-गरीब व जाति-वर्ण का भेदभाव तिरोहित हो जाता है। यह मेला सामाजिक समरसता और सौहार्द को प्रगाढ़ करता है। महिलाएं अपनी ग्रामीण और क्षेत्रियता आधारित वेशभूषा धारण करके आती हैं। इससे राजस्थान रंग-बिरंगी संस्कृति तथा विविधता में एकता का आभास होता है। इस मेले में सामाजिक एकता एवं अखण्डता तथा राष्ट्रीयता की भावना की अभिवृद्धि देखी जा सकती है।

गोगाजी का परिचय : प्रचलित मान्यता के अनुसार 11वीं शताब्दी में वीर गोगाजी का जन्म ददरेवा (चूरू) में वहाँ के शासक राणा जेवर (जीवराज) व रानी बाछलदेवी के यहां भाद्रप्रद कृष्ण नवमी को हुआ था। कहा जाता है कि नाथ पंथ के गुरु गोरखनाथ के आशीर्वाद से ही उनका जन्म हुआ था। गोगाजी महान योद्धाओं में गिने जाते थे। अपने पिता के निधन के बाद शासन की बागडोर सम्भाली। उन्होंने अनेक युद्ध लड़े और उनका साम्राज्य हांसी और सतलज नदी तक था। उन्होंने धर्म तथा गोरक्षा के लिए 11 बार मुगलों से युद्ध किए। स्त्रियों के अपमान करने पर उन्होंने अपने मोसेरों भाइयों अर्जुन-सुर्जन को भी मार डाला था। राजस्थान के लोक देवताओं में गोगाजी भी मुख्य देवता के रूप में सम्मिलित हैं।

-शोभिका कुमावत, सवाईमाधोपुर

परिवार : एक परिचर्चा

वर्तमान परिदृश्य में पारिवारिक विघटन चारों तरफ नजर आ रहा है। मनुष्य एक सामाजिक प्राणी है। परिवार उस के समाज में प्रतिस्थापित होने का पहला चरण है। एक बालक के सभ्य नागरिक बनने के लिए उसके परिवार का मजबूत होना अनिवार्य है। परिवार ही वह स्थान है जहां बालक रूपी कच्ची मिट्टी से एक सभ्य, सुसंस्कृत नागरिक रूपी कलश का निर्माण किया जाता है। परंतु दुर्भाग्य की बात है कि आज उन्हीं पारिवारिक मूल्यों पर विभिन्न प्रकार के कुठाराघात हो रहे हैं।

एक विकसित समाज के निर्माण के लिए उसकी प्राथमिक इकाई परिवार का भी मजबूत और संगठित होना अनिवार्य है। सौभाग्य से मुझे फरवरी, 2024 में ऑल इंडिया रेडियो (AIR) आकाशवाणी जयपुर में इग्नू के अकादमिक काउंसलर के रूप में एक परिचर्चा में भाग लेने का अवसर मिला था जिसमें विषय था; 'परिवार की समसामयिक समस्याएं और सामाजिक कार्यकर्ता की भूमिका'।

वर्तमान की पारिवारिक समस्याओं और उनके कारण, निवारण पर प्रकाश डालते इस परिचर्चा के मुख्य अंश आपके अवलोकनार्थ प्रस्तुत है। इसमें कार्यक्रम संचालक के प्रश्न और मेरे द्वारा दिए गए उत्तर हैं-

प्रश्न-1 परिवार से आप क्या समझते हैं उसे किस प्रकार परिभाषित करेंगे ?

उत्तर: देखिए, परिवार समाज के सबसे प्राथमिक समूह में से एक है। एक ही घर में निवास करने वाले सदस्य जो विवाह और रक्त संबंधों से आपस में जुड़े होते हैं, परिवार का निर्माण करते हैं। परिवार सार्वभौमिक है। विश्व के प्रत्येक कोने में आपको (फैमिली) परिवार का कोई ना कोई रूप देखने को मिल ही जाएगा। परिवार वित्तीय जरूरत को पूरा करने के साथ-साथ भावनात्मक आधार भी प्रदान करता है।

प्रश्न-2 एक परिवार के मुख्य कार्य क्या होते हैं ? बालक के पालन पोषण में परिवार की क्या भूमिका होती है ?

उत्तर: परिवार के मुख्य कार्यों की बात करें तो सर्वप्रथम संतान उत्पत्ति उनका पालन-पोषण, शिक्षा आदि आते हैं। आगे बढ़े तो सामाजीकरण में परिवार महती भूमिका अदा करते हैं। सामाजीकरण अर्थात बालक को संस्कार देना। समाज में उठने बैठने के तौर तरीके सीखाना। सामाजिक विरासत का हस्तांतरण करना यह सभी कार्य परिवार द्वारा ही किए जाते हैं। साथ ही बालक की धार्मिक पृष्ठभूमि तैयार करना, मनोवैज्ञानिक धरातल पर उसमें संस्कार मूल्य आदि के प्रति आस्था जागृत करना, जिज्ञासा, तर्क आदि का विकास करना भी परिवार से ही सीखा जाता है।

जब एक छोटा बालक अपने दादाजी को पूजा करते हुए, भोजन करने से पहले ईश्वर का स्मरण करते हुए और अनुशासित जीवन जीते हुए देखता है। तो कहीं ना कहीं इन गुणों का विकास उसमें स्वयं में भी हो रहा होता है। एक तरह से देखा जाए तो एक सभ्य, सुसंस्कृत नागरिक बनने का कोचिंग सेंटर या प्रशिक्षण स्थल परिवार ही होता है।

भावनात्मक सुरक्षा चाहें बालक हो या वृद्ध उसे प्रदान करने का कार्य भी परिवार ही करता है। इसलिए ही तो कहा जाता है-

हर मर्ज का इलाज नहीं दवा खाने में
कुछ दर्द चले जाते हैं परिवार के साथ मुस्कुराने में

प्रश्न-3 परिवार के विकास के विभिन्न चरण क्या होते हैं ?

उत्तर: परिवार का विकास तीन चरणों में होता है। (अर्ली स्टेज) प्रारंभिक अवस्था इसमें विवाह और संतान उत्पत्ति होती है । यह दो समझदार स्त्री पुरुष का विवाह बँधन से जुड़ नए संसार में कदम रखने की अवस्था होती है।

फिर आती है (मिडिल स्टेज) माध्यमिक अवस्था यह उम्र का सबसे अधिक व्यस्तता का दौर होता है। इसमें बच्चों की शिक्षा-दीक्षा फिर उनका कैरियर आता है। बच्चें आत्मनिर्भर हो जाते हैं, और धीरे-धीरे माता-पिता से दूरी बनाना शुरू कर देते है। इस अवस्था के शुरू में जहाँ माता-पिता अति व्यस्त रहते हैं वहीं अवस्था के अंत तक एक शिथिलता सी जीवन में आने लगती है।

(लास्ट स्टेज) अंतिम अवस्था, यह जीवन का संध्या काल है। जब माता-पिता रिटायरमेंट की जिंदगी प्रारंभ करते हैं। उनकी आर्थिक भूमिका कम हो जाती है। वे फिर से वे दो ही रह जाते हैं। अर्थात जहां से सफर शुरू हुआ था, वहीं आकर समाप्त हो जाता है।

प्रश्न-4 बहुत अच्छे!! आपने बहुत बारीकी से परिवार के स्वरूप का उद्घाटन किया। अब यह बताइए कि आज के दौर में हमें सब जगह संयुक्त परिवार टूटते नजर आ रहे हैं। एकल परिवार में भी विघटन नजर आने लगा है। परिवार जो कि भारत के सामाजिक ढांचे का मूल आधार है वह भी अब दरकने लगा है। इसके पीछे के कारण को जरा विस्तार से समझाइए।

उत्तर: यह आपने बिल्कुल सही कहा। हम तो वसुधैव कुटुंबकम को मानने वाले लोगों में से हैं। परंतु आज हमारे ही भारत

में गांव से लेकर शहरों तक परिवार के टूटने की समस्या उत्पन्न होने लगी है।

सामाजिक दृष्टिकोण से देखें तो पिछले कुछ दशकों से भारत में भारी बदलाव आया है । उदाहरण के लिए औद्योगिकरण और तकनीकी विकास ने हमारी अर्थव्यवस्था को ऊंचाइयां तो प्रदान की है परंतु वहीं इसके कारण (माइग्रेशन) प्रवास की समस्या उत्पन्न हो गई है। गांव से नगरों में और नगरों से महानगरों में नौकरी के कारण घर के युवा वर्ग को प्रस्थान करना ही पड़ता है। आज गांव हो या शहर घरों में अकेले बुजुर्ग दम्पति का मिलना सामान्य बात है।

संयुक्त परिवार की चहचहाट से गुंजायमान रहने वाला घर का आंगन अब सूना रहने लगा है। दोष किसी का नहीं। बेहतर जीवन की तलाश में निकले युवा वर्ग को अपना भविष्य संवारने का पूरा हक है। परंतु इस सबसे परिवार का ढांचा हिल जाता है।

एक अरसे से मुझको कहीं नजर नहीं आए
बच्चे जब से कमाने लगे
कभी घर नहीं आए..!!
मेरी हालत देखकर सोचता है
वह परिंदा भी
अच्छा हुआ कि
मेरे बच्चों के पर नहीं आए.. !!

परिचर्चा काफी बड़ी थी। यहां कुछ अंश ही अभी मैंने लिखे हैं बाकी फिर कभी।

इस परिचर्चा में हमने देखा कि एक परिवार का हमारे जीवन में कितना महत्व है। मनुष्य से परिवार और परिवार से समाज की इस कड़ी में परिवार का संगठित रहना अति आवश्यक है। कुमावत समाज के विकसित और संगठित रहने में भी हमारे अपने परिवारों का पूरा योगदान मिलना चाहिए। आज आवश्यकता है कि हम अपने परिवार को उचित संस्कार और मूल्य प्रदान करें ताकि भावी पीढ़ी एक सभ्य समाज का निर्माण कर सके।

जहां सूर्य की किरण हो
वही प्रकाश होता है
और
जहां प्रेम की भाषा हो
वही परिवार होता है

-डॉ प्रिया मारवाल, Asst. Professor

उदारता

बहुत समय के पूर्व की घटना है। संस्कृति के महाकवियों में कालिदास, भारवि, भवभूति की श्रेणी में महाकवि माद्य का नाम भी खूब अवलोकित है। अपने असाधारण जीवन में उन्हें अपनी पत्नी का सम्पूर्ण साथ मिला। यह प्रसंग उस समय का है है जब वे अपना महाकाव्य लिख रहे थे। एक दिन अपने छोटे-से कक्ष में महाकवि काव्य रचना में तल्लीन थे। सामने एक छोटा-सा दीपक टिम-टिमा रहा था। किसी किसी ने द्वार पर दस्तक देकर उनकी तन्मयता भंग की। वे उठे, द्वार खोला। देखा, एक दीन-हीन व्यक्ति हाथ जोड़े खड़ा है। वह बोला—**'आपकी उदारता सुनकर आशा लेकर आया हूँ। बेटा बहुत बीमार है, पर उसके उपचार के लिये मेरे पास फूटी कौढ़ी भी नहीं है। कृपा करके मेरी सहायता करें।'** महाकवि के सामने धर्म संकट खड़ा हो गया। पास में कुछ भी तो नहीं है, जो दिया जा सके। क्या करें। याचक करबद्ध खड़ा है। कैसे मदद की जाए ? तभी उन्हें एक उपाय सूझा। उन्होंने सोई हुई पत्नी पर नजर डाली। धीरे-धीरे पग रखते उसके पास पहुँचे और चुपके से एक कंगन निकाल लिया। याचक यह सब देख रहा था। महाकवि उस कंगन को याचक को देने के लिये आगे बढ़े ही थे कि पीछे से आवाज गूँजी-**'ठहरिये'**। महाकवि ने पीछे मुड़कर देखा। उनका शरीर सिहर उठा-कहीं उनकी पत्नी इनकार न कर दे और याचक को दुत्कार न दे। वे कुछ सफाई देने ही वाले थे कि पत्नी ने उस निर्धन व्यक्ति की तरफ जाकर उससे कहा—**'भाई ठहरो, इन्हें तो व्यावहारिक ज्ञान है ही नहीं। एक कंगन से आपका काम नहीं होगा—आपके बेट का उपचार नहीं हो पाएगा, इसलिये दूसरा कंगन भी लेते जाओ।'** यह कहकर उनकी पत्नी ने अपना दूसरा कंगन भी उसे दे दिया।

भारत की महिला शक्ति मानव धर्म को भली-भांति समझती है तथा जरूरतमंद को अपने कीमती आभूषण देकर मदद करना अपना धर्म समझती है। **- प्रो. बी.के. कुमावत, उज्जैन**

JEE(Main) में 99.26 प्रतिशत अंक प्राप्त किए

हार्दिक कुमावत पुत्र श्री हेमेन्द्र सिंह कुमावत ने जेईई (मैन) में 99.26 प्रतिशत अंक प्राप्त कर समाज का नाम गौरवान्वित किया है। 'कुमावत इंडिया' पत्रिका की ओर से हार्दिक कुमावत को हार्दिक बधाई।

संजीव वर्मा भाजपा ओबीसी मोर्चा अजमेर प्रभारी नियुक्त

संजीव वर्मा को पुन: अजमेर का भाजपा ओबीसी मोर्चा जिला प्रभारी नियुक्त किया गया है।

बहुत-बहुत बधाई।

व्यापार-उद्योग में दृष्टिकोण परिवर्तन

व्यापार-उद्योग में व्यस्त रहते हुए हम सहज जीवन जी सके, हल्केपन का अनुभव कर सकें, इसके लिए हमें दृष्टिकोण में परिवर्तन करना जरूरी है तथा समस्या रहित व्यापार के लिए रचनात्मक साधन और आध्यात्मिक प्रज्ञा का साथ होना जरूरी है।

व्यापार और व्यवहार में जब कभी कोई समस्या आती है तो हम उसका समाधान बाहर ढूंढ़ते हैं परंतु कई समस्याओं का कारण हम स्वयं ही होते हैं इसलिए पहले हमें स्वदर्शन कर अपने अंदर से समाधान ढूंढ़ना चाहिए।

परिस्थिति या व्यक्ति को बदलने में बहुत राह देखनी पड़ती है क्योंकि वे हमारे कंट्रोल में नहीं हैं, हम स्वयं पर कंट्रोल सहज कर सकते हैं। इससे हम कम समय में बड़ा परिणाम प्राप्त कर सकते हैं तथा न उलझेंगे, न तनावग्रस्त होंगे।

व्यापार में जब हम निष्फल होते हैं तो बहुत जल्दी डर जाते हैं लेकिन आध्यात्मिकता सिखाती है कि उस समय हमें अपने आप में धीरज और आत्मविश्वास धारण करना चाहिए। कई बार उस निष्फलता की परिस्थिति में जल्दी परिणाम पाने के निर्णय, और ही भूलों को जन्म देते हैं। इसके बजाय उस समय हम बहुत सावधानीपूर्वक मूल्यांकन कर निर्णय लेते हैं तो टिकाऊ परिणाम पा लेते हैं। व्यापार में मंदी की स्थिति है तो उस समय हमारे में सयानापन हो, समझदारी से काम लेना जरूरी है। अगर व्यापार अच्छा है तो हमारे में संतुष्टता हो। अति लोभ, पाप का मूल है और अनर्थ को न्योता देता है।

व्यापार-उद्योग करके अति धन कमाने की अक्सर हमारी वृत्ति रहती है लेकिन धन के प्रति भी दृष्टिकोण बदलने की आवश्यकता है। धन कमाकर जमा करते जाने से लोभ बढ़ता जाता है और भय भी बढ़ता है परंतु धन को सही दिशा में लगाने से धन सलामत भी हो जाता है और फायदा भी होता है। व्यापार और उद्योग क्षेत्र में कारोबार प्रति सोचें भी और योग्य प्रदर्शनकारी रणनीति को अख्तियार भी करें। संबंधों में समझदारी से काम लें, चाहे कार्यक्षेत्र के संबंधों में, चाहे पारिवारिक संबंधों में और हर बात में उमंग-उत्साह की रणनीति अपनाएं। स्वयं की क्षमता और कमजोरियों का भी कर्मक्षेत्र पर प्रभाव पड़ता है। स्वयं के जिम्मेवार बनकर, स्व के उर्ध्वगामी परिवर्तन की रणनीति अपनाएं।

व्यक्ति से समष्टि बनती है इसलिए व्यापार जगत के वातावरण को सही बनाने के लिए, हर व्यापारी को स्वयं अपने विचारों में, वृत्ति में, व्यवहार में सकारात्मक परिवर्तन करने की जरूरत है। व्यवहारिक और व्यवसायिक जगत में मूल्यों को धारण करने के लिए आध्यात्मिक ज्ञान को जीवन की नींव बनाना है। आध्यात्मिक बनना अर्थात् शांति, अंतर्मुखता, उच्च विचार और आत्मसम्मान को अपनाना है।

-ज्ञान गंगा

26वां पाटोत्सव धूमधाम से मनाया

मंदिर श्री कल्याणजी एवं बगीची हनुमानजी-महादेवजी, सुन्दर का बास, नमक की मण्डी का **26वां पाटोत्सव 13 जून 2024** को धूमधाम से मंदिर प्रांगण में मनाया गया। पाटोत्सव कार्यक्रम में दोपहर 2.15 बजे से बगीची हनुमानजी-महादेवजी में 56 भोग की झांकी जन सहयोग से सजाई गई। उसके बाद मंदिर प्रांगण में सुन्दरकाण्ड किये गये। सायं 6.15 बजे मंदिर श्री कल्याणजी में 56 भोग की झांकी जन सहयोग से सजाई गई तथा मंदिर प्रांगण में भजन संध्या का आयोजन किया गया। ट्रस्ट मंदिर के सदस्यों सहित समाज बन्धुओं तथा स्थानीय निवासियों ने सुन्दरकाण्ड व भजन संध्या का आनन्द लिया। इस अवसर पर इंदिरा बाजार चौकी इंचार्ज श्रीमान् छुट्टन लाल जी का स्वागत भी ट्रस्ट सदस्यों द्वारा किया गया। तत्पश्चात् मंदिर श्री कल्याणजी में प्रसाद वितरण किया गया। इस अवसर पर नारायण लाल सिरोहिया, इन्दर सिंह बावला, अशोक बासनीवाल, प्रेम लोट्या, प्रभु सिरस्वा, सुरेन्द्र कुलचानियां, राजकुमार जालवाल, राजसिंह भदानिया, गगन तोंदवाल, संजय तोंदवाल, शशीकान्त अनावडिया उपस्थित थे। कार्यक्रम के सफल आयोजन पर ट्रस्ट अध्यक्ष नारायण लाल सिरोहिया तथा संरक्षक इन्दर सिंह बावला ने सभी कार्यकर्ताओं को धन्यवाद दिया।

देवास में जिला स्तरीय प्रतिभा सम्मान समारोह संपन्न

16 जून 2024 को भारतीय कुमावत क्षत्रिय महासभा जिला देवास के तत्वावधान में कुमावत समाज की धर्मशाला गांव भोंरासा जिला देवास में विधायक राजेश सोनकर, लीलाधर दौराया प्रदेश अध्यक्ष भारतीय कुमावत क्षत्रिय महासभा मध्यप्रदेश, धर्मेंद्र कुमावत जिला अध्यक्ष भारतीय कुमावत क्षत्रिय महासभा देवास, विजय कुमावत अध्यक्ष क्षत्रिय कुमावत समाज भौरासा, प्रदीप कुमावत जिला महामंत्री भारतीय कुमावत क्षत्रिय महासभा देवास, शेखर कुमावत जिला संगठन मंत्री भारतीय कुमावत क्षत्रिय महासभा देवास, नेमीचंद कारवाल प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य भारतीय कुमावत क्षत्रिय महासभा मध्यप्रदेश व कुमावत समाज के पदाधिकारियों एवं युवा प्रकोष्ठ के पूर्व प्रदेश प्रवक्ता मनीष जी दया, श्रीराम कुमावत पूर्व जिला अध्यक्ष भारतीय कुमावत क्षत्रिय महासभा देवास व सैकड़ों समाजजनों की उपस्थिति में 75 से अधिक कुमावत समाज की प्रतिभाओं को सम्मानित किया गया। जिसके अंतर्गत 10 वीं, 12वीं बोर्ड व सी.बी.एस.सी.परीक्षा में 75% से अधिक अंक से उत्तीर्ण प्रथम स्थान प्राप्त विद्यार्थियों, समाज में उत्कृष्ट कार्य करने वाले समाजजनों, समाज के जनप्रतिनिधियों, नीट, जेईई व अन्य प्रतियोगिता परीक्षा में अच्छे अंक लाने प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों, राज्य व राष्ट्रीय स्तर के समाज के खिलाड़ियों व शासकीय सेवा में जिनका चयनित 2021 के बाद हुआ उन समाजजनों को प्रशस्ति-पत्र, शील्ड व कुमावत समाज का दुप्पट्टा पहनाकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में चाय-नाश्ते व सहभोज का आयोजन रखा गया था।

– नेमीचंद कारवाल

संदीप चंगेडीया नगर पालिका एवं नगर परिषद कल्याण संघ इंदौर संभाग अध्यक्ष पद पर नियुक्त

मध्य प्रदेश के प्रदेश अध्यक्ष श्री जमना सेन ने नगर पालिका एवं नगर परिषद कल्याण संघ, इंदौर संभाग अध्यक्ष पद पर संदीप चंगेडीया को नियुक्त किया है। इनकी इस नियुक्ति पर सेठ गजानंद डूंगरवाल अध्यक्ष सेवा सहकारी संस्था साँवेर, नेमीचंद कारवाल मण्डल उपाध्यक्ष भाजपा किसान मोर्चा साँवेर, पवन भदानिया, अनिल नागोरा, मनोहर कारवाल, मुरारी ओस्तवाल, राजेश मंडलिया विनोद मंदनिया आदि समस्त समाजजनों ने मुंह मिठाकर शुभकामनाएं दी।

'कुमावत इंडिया' पत्रिका की ओर से भी श्री संदीप चंगेडीया को नगर पालिका एवं नगर परिषद कल्याण संघ, इंदौर संभाग अध्यक्ष पद पर नियुक्त होने पर बधाई।

गौतमपुरा कुमावत समाज चारभुजानाथ मंदिर कार्यकारणी घोषित

26.5.2024 को श्री चारभुजा नाथ मंदिर गौतमपुरा जिला इंदौर मध्यप्रदेश में सूरजमल जी अडाणिया राष्ट्रीय महामंत्री कुमावत समाज, रामेश्वर जी खटोड़ पटेल साहब, गोपाल जी गोठवाल इंदौर वाले के सानिध्य में सर्व कुमावत समाज की सर्वसम्मति से घनश्याम जी सिरोठा गिरोता वाले को अध्यक्ष पद पर, बंटी जी कुमावत ओसरा वाले को उपाध्यक्ष पद पर, सत्यनारायण जी मरमट फुलान वाले को कोषाध्यक्ष के पद पर और गिरवर जी चोरमा काकवा वाले को सचिव के पद पर नियुक्त किया गया।

पुलिस उप निरीक्षक रामचन्द्र कुमावत को उत्कृष्ट सेवा के लिए डीजीपी डिस्क से सम्मानित किया गया है। बधाई!

कक्षा 10वीं के प्रतिभावान छात्र-छात्राओं को 'कुमावत इंडिया' पत्रिका की ओर से बधाई

ऋषिता तुनवाल
99.30%

अनुष्का कुमावत
99.00%

रीतिका कुमावत
98.00%

दीपिका कुमावत
98.00%

विजेन्द्र कुमावत
97.50%

ईशिका कुमावत
97.50%

हर्षिता कुमावत
97.00%

हर्षिता कुमावत
96.50%

सुमित कुमावत
96.20%

वर्षा कुमावत
96.00%

तनिक्षा कुमावत
96.00%

अक्षय कुमावत
96.00%

निशा कुमावत
95.70%

प्रिया कुमावत
95.30%

आदित्य कुमावत
95.20%

कशिश कुमावत
95.00%

लेशिका कुमावत
94.30%

प्रतीक कुमावत
94.00%

करन कुमावत
93.80%

दिया वर्मा
93.80%

निशिका कुमावत
93.70%

निर्मल कुमार कुमावत
93.70%

कविता कुमावत
93.20%

तेजस मारवाल
93.00%

कनिष्का कुमावत
92.83%

वैदिक कुमावत
92.80%

तनिष्का कुमावत
92.70%

अतुल कुमावत
92.50%

भूमिका कुमावत
92.30%

नरेन्द्र कुमावत
92.20%

मेघा कुमावत
92.00%

कनिका कुमावत
91.70%

गणेश कुमावत
91.70%

शिवांश कुमावत
91.50%

साक्षी कुमावत
91.50%

अकुल कुमावत
91.50%

देवेन्द्र कुमावत
91.20%

परम कुमावत
91.00%

स्वाती कुमावत
90.70%

त्रिवण कुमावत
90.70%

चेतन कुमावत
90.30%

अमन कुमावत
90.20%

समीक्षा कुमावत
90.00%

पुलकित कुमावत
90.00%

तन्नू कुमावत
90.00%

सलोनी कुमावत
90.00%

अवंतिका कुमावत
89.80%

प्रियांशी कुमावत
89.67%

सोहन पाल कुमावत
89.50%

कल्पना कुमावत
89.50%

कोमल कुमावत
89.00%

साक्षी बालोदिया
88.80%

भींवाराम कुमावत
88.67%

धनराज नीमीवाल
87.20%

जैसमीन कुमावत
85.00%

परिहान कुमावत
83.50%

रोहिणी कुमावत
83.30%

पलक कुमावत
83.30%

कनिष्का कुमावत
83.00%

भारती कुमावत
82.00%

अजय कुमावत
81.70%

हिमानी कुमावत
81.20%

जया कुमावत
81.00%

कक्षा 12वीं के प्रतिभावान छात्र-छात्राओं को 'कुमावत इंडिया' पत्रिका की ओर से बधाई

प्रदीप कुमावत
99.40%

दिक्षा कुमावत
99.00%

शालिनी कुमावत
99.00%

पायल कुमावत
98.80%

कोमल कुमावत
98.40%

युवरानी कुमावत
98.20%

ललित कुमावत
97.80%

कोमल कुमावत
97.60%

पायल कुमावत
97.40%

रूद्राक्षी कुमावत
96.00%

प्रियांशी कुमावत
96.00%

निखिल कुमावत
96.00%

उत्कर्ष कुमावत
95.80%

प्रियंका कुमावत
95.00%

दिनेश कुमावत
95.00%

सचिन कुमावत
94.80%

बीनू कुमारी
94.20%

निशा कुमावत
94.20%

जेसिका कुमावत
94.20%

तुषार कुमावत
94.00%

गुंजन कुमावत
94.00%

द्विंकल कुमावत
93.40%

लक्षिता कुमावत
93.40%

अंशिकाअनुष्का कुमावत
93.20%

मिमांसा कुमावत
93.00%

इंदु कुमावत
93.00%

चंचल कुमावत
93.00%

अंशुल कुमावत
93.00%

रवी कुमावत
92.40%

हरीओम कुमावत
92.20%

हेमराज कुमावत
92.00%

मुस्कान कुमावत
92.00%

आयशा कुमावत
91.60%

नीतू कुमावत
91.40%

नीकिता कुमावत
91.40%

संगीता कुमावत
91.20%

चंद्रकांता कुमावत
91.00%

निशा कुमावत
91.00%

सोनाक्षी कुमावत
91.00%

राहुल कुमावत
90.40%

नन्दनी कुमावत
90.20%

सुभाष कुमावत
90.20%

चंद्रप्रकाश कुमावत
90.00%

पूजा कुमावत
90.00%

साहिल कुमावत
90.00%

रानु कुमावत
90.00%

दिव्या कुमावत
90.00%

अंशुल कुमावत
90.00%

श्रेयांशी कुमावत
89.80%

खुशी कुमावत
89.60%

नरेश कुमावत
89.40%

वसु कुमावत
86.80%

प्रिया कुमावत
86.40%

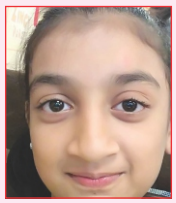
दिविता वर्मा
86.00%

अमर कुमावत
85.00%

तनिशा कुमावत
82.00%

डायमंड स्कूल आसलपुर ने विद्यार्थियों का सम्मान किया

डायमंड एकेडमी सीनियर सेकंडरी स्कूल आसलपुर में कक्षा 10वीं व 12वीं बोर्ड के टॉपर्स का सम्मान समारोह आयोजित हुआ। समारोह निर्देशक डॉ. सेवाराम कुमावत की अध्यक्षता व सरपंच सरला कुमावत, प्रधानाचार्य कमलेश कुमावत के मुख्य आतिथ्य में आयोजित हुआ। निदेशक डॉ. सेवाराम कुमावत ने बताया कि 10वीं बोर्ड में अस्मिता चौधरी ने 97%, आदित्य कुमावत 95.17%, लेसिका कुमावत 94.33%, निशिका कुमावत 93.67%, पीयूष सिंह राव 92.67%, गणेश कुमावत 91.67%, त्रिवण कुमावत 90.67% चेतन कुमावत 90.33%, अमन कुमावत 90.17%, सलोनी कुमावत 90%, तनु कुमावत 90 प्रतिशत, कक्षा 12वीं विज्ञान वर्ग में गुंजन कुमावत 94%, चंचल कुमावत 93%, बंटी सैनी 93%, अंशुल कुमावत 93%, इंदु कुमावत 93%, अंशु कुमावत 93%, हेमराज कुमावत 92%, चंद्र प्रकाश कुमावत 90%, पूजा कुमावत 90%, साहिल कुमावत 90%, कला वर्ग में मुस्कान कुमावत 92%, चंद्रकांता कुमावत 91 प्रतिशत अंक हासिल करने पर अतिथियों ने विद्यार्थियों को साफा बंधवाकर व स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया।

इस मौके पर अध्यापक संजय शर्मा, घनश्याम कुमावत, महेश कुमावत, मुकेश कुमावत, लालचंद कुमावत, योगेश कुमावत, राजेश कुमावत, अध्यापिकाए रोशन कुमावत, मंजू कुमावत, उर्मिला कुमावत तथा अभिभावकगण उपस्थित रहे।

रूड़मल कारगवाल सामूहिक विवाह समिति अध्यक्ष निर्वाचित

श्री कुमावत क्षत्रिय सामूहिक विवाह समिति, जयपुर के चुनाव में श्री रूड़मल कारगवाल (पिन्नू जी) को अध्यक्ष, कमलेश कुमार मारोठिया को महामंत्री तथा रामनारायण को निर्विरोध कोषाध्यक्ष निर्वाचित किया गया है।

श्री पिन्नू जी लम्बे समय से विवाह समिति तथा सामाजिक कार्यों से जुड़े हुए हैं। अध्यक्ष निर्वाचित होने पर बधाई।

बच्चों में कृमि संक्रमण

कारण : बच्चों में कृमि संक्रमण एक सामान्य समस्या है, जो अक्सर विभिन्न प्रकार के परजीवी कृमियों के कारण होती है। यह समस्या विशेष रूप से उन क्षेत्रों में अधिक होती है जहां स्वच्छता और सफाई की कमी होती है। गोल कृमि, सुई कृमि, हुक कृमि, फीताकृमि और चाबुक कृमि कुछ प्रमुख कृमि हैं जो इस संक्रमण का कारण बनते हैं।

लक्षण : बच्चों में कृमि संक्रमण के लक्षण कृमि के प्रकार के अनुसार भिन्न हो सकते हैं, लेकिन सामान्य लक्षणों में पेट दर्द, दस्त, मतली, उल्टी, वजन कम होना, थकान और भूख में कमी शामिल हैं। सुई कृमि के कारण गुदा के आसपास खुजली, गोल कृमि के कारण मल या उल्टी में कृमि का दिखाई देना, हुक कृमि के कारण रक्तस्राव के कारण एनीमिया और थकान, फीताकृमि के कारण मल में कृमि के खंड और पाचन में असुविधा, और चाबुक कृमि के कारण खूनी दस्त जैसे विशिष्ट लक्षण हो सकते हैं। उपचार में आमतौर पर एंटीपैरासिटिक दवाओं का उपयोग किया जाता है, जैसे मेबेंडाजोल, एल्बेंडाजोल, पायरैंटल पामोएट और प्राजिक्वांटल। दवा की खुराक और अवधि कृमि के प्रकार और संक्रमण की गंभीरता पर निर्भर करती है। संक्रमण को समाप्त करने के लिए फॉलो-अप मल परीक्षण की आवश्यकता हो सकती है।

उपचार : कृमि संक्रमण के जोखिम को कम करने के लिए कुछ निवारक उपाय अपनाए जा सकते हैं, जैसे नियमित रूप से हाथ धोना, नाखूनों को साफ और छोटा रखना, मानव अपशिष्ट का उचित निपटान, साफ और सुरक्षित शौचालयों का उपयोग, मांस को अच्छी तरह से पकाना, और फलों और सब्जियों को खाने से पहले धोना। इसके अलावा, बच्चों को स्वच्छता और सफाई के महत्व के बारे में शिक्षित करना, समुदायों में कृमि संक्रमण के संचरण और रोकथाम के बारे में जागरूकता बढ़ाना और उच्च जोखिम वाले क्षेत्रों में नियमित कृमि निवारण कार्यक्रम आयोजित करना भी महत्वपूर्ण है।

सावधानियां : बच्चों में कृमि संक्रमण आम है, लेकिन इसे रोका और इलाज किया जा सकता है। अच्छी स्वच्छता, उचित स्वच्छता और सुरक्षित खाद्य प्रथाओं को सुनिश्चित करना, साथ ही उचित चिकित्सा उपचार, इन संक्रमणों को प्रभावी ढंग से प्रबंधित और रोक सकते हैं। बच्चों के स्वास्थ्य को बनाए रखने के लिए नियमित जांच और चिकित्सा सलाह का पालन करना आवश्यक है। इस प्रकार, सावधानियाँ बरतकर और उचित उपचार से हम बच्चों को कृमि संक्रमण से सुरक्षित रख सकते हैं और उनके स्वस्थ विकास को सुनिश्चित कर सकते हैं। **- डॉ. पवन कुमार बासनीवाल**

साइबर ठगी से बचने के लिए आधार बायोमेट्रिक को लॉक करे

जब आपने अपना आधार कार्ड बनवाया होगा तब आपने बायोमेट्रिक डिटेल जैसे फिंगरप्रिंट,आईरिस स्कैन की डिटेल दी होगी। आप इन्हीं बायोमेट्रिक डिटेल को लॉक या अनलॉक कर सकते हैं ताकि आपकी प्राइवेसी सुरक्षित रहे। आधार नंबर के दुरुपयोग को रोकने के लिए भारतीय विशिष्ट पहचान प्राधिकरण (यूआईडीएआई) उनकी बायोमेट्रिक जानकारी जैसे फिंगरप्रिंट और आईरिस स्कैन को लॉक करने की सुविधा प्रदान करता है।

आधार कार्ड आपकी पहचान का प्रमाण है। वर्तमान में यह इतना जरूरी दस्तावेज है कि लगभग हर सरकारी व प्राइवेट सेक्टर से जुड़े किसी भी प्रकार के वेरिफिकेशन में यह काम आता है। आधार कार्ड धारकों को अपनी वित्तीय सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए कुछ खास बातों का ध्यान रखना चाहिए ताकि साइबर ठग इसका दुरुपयोग न कर सके। इसके लिए इसे लॉक किया जा सकता है, जिससे आधार कार्ड का दुरुपयोग होने से रोक सकते हैं।

आपने भी जरूरत पड़ने पर आधार कार्ड की मदद से साइबर कैफे से पैसे अवश्य निकाले होंगे। सिर्फ अगूंठा लगाकर पैसे बड़ी आसानी से निकाले जा सकते हैं। इसमें रजिस्टर्ड मोबाइल नं. की भी आवश्यकता नहीं होती है। आधार बायोमेट्रिक्स (फिंगर प्रिंट या आंखों की डिटेल) से जुड़े साइबर ठगी के अनेक मामले सामने आ रहे हैं। इसमें साइबर ठग आपकी पहचान चुराकर ऑनलाइन पैसे निकाल लेते हैं। इसके लिए फोन में कोई ओटीपी नहीं आता है क्योंकि वे इसके बदले बायोमेट्रिक्स वैरिफाई कर देते हैं। इस प्रकार की ठगी से बचने के लिए अपने आधार बायोमेट्रिक्स को लॉक करें। जरूरत पड़ने पर अनलॉक करके इस्तेमाल करें।

बायोमेट्रिक्स को ऐसे करें लॉक-

- सबसे पहले आप www.uidai.gov.in की वेबसाइट पर जाएं।
- भाषा का चयन करें। इसके बाद 'माय आधार' टैब में 'आधार सेवाएं' विकल्प को चुने।
- लॉक/अनलॉक बायोमेट्रिक्स' का विकल्प चुनें।
- इसके बाद आप अपना आधार नंबर और कैप्चा कोड दर्ज करें और फिर 'ओटीपी भेजें' पर क्लिक करें।
- आधार 'लॉक/अनलॉक बायोमेट्रिक्स' का विकल्प चुनें।
- लॉक बायोमेट्रिक्स विकल्प चुनकर इसे लॉक करें।
- आवश्यकता पड़ने पर मौजूद अनलॉक बायोमेट्रिक्स विकल्प चुनकर इसे अनलॉक भी कर सकते हैं।

-पुनीत सिरोहिया

सरकोपीनिया (Sarcopenia)

उम्र बढ़ने के परिणामस्वरूप, शरीर (Skeleton) की मांसपेशियों की ताकत में गिरावट आती है। मांसपेशियों की कमजोरी को सरकोपेनिया कहा जाता है। उचित जानकारी व सजगता के अभाव में यह बीमारी डायबिटीज टाइप-2 की तरफ धकेलती जाती है। यह बात अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान दिल्ली यानी AIIMS में हुए एक अध्ययन में सामने आई है। सरकोपेनिया आमतौर पर बुजुर्ग और गतिहीन आबादी और उन रोगियों को प्रभावित करता है जिनमें सह-रुग्णताएं होती हैं जो मस्कुलोस्केलेटल प्रणाली को प्रभावित करती हैं या शारीरिक गतिविधि को ख़राब करती हैं।

आइए सरकोपेनिया पर विचार करें!

1- जितना हो सके खड़े रहने की आदत डालनी चाहिए, कम से कम बैठे, यदि आप बैठ सकते हैं तो कम से कम लेटें।

2- अगर कोई अधेड़ उम्र का व्यक्ति अस्पताल में भर्ती है तो उसे ज्यादा आराम करने के लिए न कहें, लने और बिस्तर से न उठने की सलाह न दें।

एक सप्ताह तक लेटे रहने से मांसपेशियाँ की संख्या 5% कम हो गई है। एक बूढ़ा आदमी अपनी मांसपेशियों का पुनर्निर्माण नहीं कर सकता, एक बार वे ख़त्म हो गईं तो ख़त्म हो गईं। सामान्य तौर पर, कई वरिष्ठ नागरिक जो सहायक नियुक्त करते हैं, उनकी मांसपेशियां जल्दी ही कमजोर हो जाती हैं।

3- सरकोपेनिया, ऑस्टियोपोरोसिस से भी ज्यादा खतरनाक है.- ऑस्टियोपोरोसिस में आपको केवल यह सावधान रहने की आवश्यकता है कि आप गिरें नहीं, जबकि सरकोपेनिया न केवल जीवन की गुणवत्ता को प्रभावित करता है, बल्कि अपर्याप्त मांसपेशी द्रव्यमान के कारण उच्च रक्त शर्करा का कारण भी बनता है।

4- मांसपेशी नुकसान में सबसे तेजी से पैरों की मांसपेशियों में हानि होती है। यह बहुत महत्वपूर्ण है क्योंकि जब कोई व्यक्ति बैठता है या लेटता है तो पैर हिलते नहीं हैं और पैर की मांसपेशियों की ताकत प्रभावित होती है।

सरकोपेनिया से सावधान रहें

सीढियाँ चढ़ना और उतरना, हल्की दौड़, साइकिल चलाना सभी बेहतरीन व्यायाम हैं और मांसपेशियों का निर्माण कर सकते हैं। बुढ़ापे में जीवन की बेहतर गुणवत्ता के लिए, मानव मांसपेशियों की बर्बादी को रोकने के लिए जितना संभव हो सके अपने बुजुर्गों और प्रियजनों को चलने के लिये कहे। बुढ़ापे की शुरुआत पैरों से होती है! अपने पैरों को सक्रिय और मजबूत रखें। जैसे-जैसे हमारी उम्र बढ़ती है, हमारे पैर हमेशा सक्रिय और मजबूत रहने चाहिए। यदि आप केवल दो सप्ताह तक अपने पैर नहीं हिलाते हैं, तो आपके पैर की वास्तविक ताकत 10 साल कम हो जाती है।

नियमित व्यायाम करना और पैदल चलना बहुत जरूरी है।

पैर एक प्रकार का स्तंभ है जिस पर मानव शरीर का पूरा भार टिका होता है। हर दिन पैदल चलना जरूरी है. खास बात यह है कि इंसान की 50% हड्डियां और 50% मांसपेशियां पैरों में होती हैं।

क्या आप प्रतिदिन पैदल चलते हैं?

मानव शरीर में सबसे बड़े और मजबूत जोड़ और हड्डियाँ भी पैरों में पाई जाती हैं। मानव गतिविधि और ऊर्जा का 70% हिस्सा पैरों के माध्यम से होता है। पैर शरीर की गति का केंद्र है। मानव शरीर की 50% नसें और 50% रक्त वाहिकाएं दोनों पैरों में होती हैं और 50% रक्त इन्हीं में बहता है। उम्र बढ़ने की शुरुआत पैरों से ऊपर की ओर होती है।

70 की उम्र के बाद भी पैरों का संभावित व्यायाम करना चाहिए। यह सुनिश्चित करने के लिए कि आपके पैरों को उचित व्यायाम मिल रहा है और आपके पैर की मांसपेशियां स्वस्थ हैं, हर दिन अंतराल पर कम से कम 30-40 मिनट टहलें।

अधिक जानकारी के लिए चिकित्सक से सलाह लें।

लामियाँ सरपंच मामले ने पकड़ा तूल

समाज, सरपंच संघ व ग्रामीणों ने किया जिला कलेक्ट्रेट का घेराव

सीकर 12 जून । खाटूश्यामजी के लामियाँ में आमसभा के दौरान सरपंच व ग्राम सेवक के साथ मारपीट मामले ने तूल पकड़ लिया है। कुमावत छात्रावास ट्रस्ट के अध्यक्ष राधेश्याम काम्या महासभा के जिलाध्यक्ष मनोहर लाल चतेरा व सामूहिक विवाह समिति के अध्यक्ष रामावतार जलांधरा के नेतृत्व में समाज के सैकड़ों लोगों ने जिला कलेक्ट्रेट पर जमकर नारेबाजी की ओर करीब 2 घंटे पुलिस अधीक्षक कार्यालय के सामने प्रदर्शन किया। समाज के लोगों ने प्रशासन को चेतावनी दी कि अगर दो दिन के भीतर आरोपियों की गिरफ्तारी नही होती है तो जिले भर में आंदोलन किया जाएगा।

इस दौरान राधेश्याम काम्या, राजेश चेजारा, मनोहरलाल चतेरा, रामावतार जलांधरा, नितेश पारमुवाल, सीताराम भोड़ीवाल, बृजमोहन भाटी,जानकीलाल मारवाल, रामस्वरूप मारोठिया, रामदेव भाटी,मंगलचंद किरोड़ीवाल, नागरमल देहीवाल, अनिल मारोठिया, दीपचंद घटेलवाल, मनीष कारगवाल, रामावतार भोभरिया, छीतरमल, पप्पू भोड़ीवाल, केसरीमल सहित अनेक लोग उपस्थित रहे।

सरपंच संघ व ग्रामीणों ने भी ज्ञापन दिया।

जिला एवं सेशन न्यायालय का बीमा पॉलिसी पर निर्णय

मृतक की पत्नी को नॉमिनी मानते हुए जारी किया उत्तराधिकार प्रमाणपत्र

एडवोकेट सुरेश कुमावत ने मामले की पैरवी

माननीय जिला एवं सेशन न्यायालय, जयपुर में श्रीमती हेमलता शर्मा ने स्वयं को प्रथम श्रेणी की उत्तराधिकारी मानते हुए अपने पुत्र द्वारा करवाई गई बीमा पॉलिसियों की परिपक्वता राशि, FDR एवं बचत खाते में जमा राशि 1,07,77,238 रूपये के 1/3 हिस्से का उत्तराधिकार प्रमाण पत्र भारतीय उत्तराधिकार अधिनियम,1925 की धारा 372 के तहत जारी करने हेतु सिविल दावा दायर किया था।

एडवोकेट सुरेश कुमावत मृतक की पत्नी श्रीमती वंदना त्रिपाठी व पुत्र चर्चित दाधीच की और से पैरवी कर रहे थे। उन्होने बताया की मृतक आनंद दाधीच द्वारा अपने जीवनकाल में ली गई सभी बीमा पॉलिसियों में अपनी पत्नी श्रीमती वंदना त्रिपाठी व पुत्र चर्चित को पृथक-पृथक पॉलिसियों में 100 प्रतिशत नॉमिनी के रूप में नामित किया था।

एडवोकेट सुरेश कुमावत ने पैरवी करते हुए बताया कि बीमा अधिनियम 1938 की धारा 39, इंश्योरेंस लॉ संशोधन अधिनियम, 2015 के जरिए धारा 39 (7) में बीमा राशि Beneficiary नॉमिनी के हक में देने का प्रावधान है। इसके अनुसार बीमा राशि पूर्ण तौर पर Beneficiary नॉमिनी अर्थात पत्नी का हक है तथा मृतक की माता का उत्तराधिकार अधिनियम के अंर्तगत कोई हक प्राप्त नही होता है। एडवोकेट सुरेश कुमावत ने माननीय दिल्ली उच्च न्यायालय का न्यायिक दृष्टांत (श्रीमती श्वेता हुरिया व अन्य बनाम श्रीमती संतोष हुरिया व अन्य, 2021 ए.आई.आर. दिल्ली 121) न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत किया गया जिसमें माननीय उच्च न्यायालय द्वारा धारा 39 (7) के तहत Beneficiary नॉमिनी को बीमा को प्राप्त करने का पूर्ण हकदार माना है। एडवोकेट सुरेश कुमावत ने अनेक बेहतर दलीले पेश करते न्यायालय को लॉ कमीशन द्वारा जारी की गई रिपोर्ट एवं बीमा संशोधन अधिनियम, 2015 के उद्देश्य का विवरण बताते हुए Beneficiary नॉमिनी को बीमा की पूर्ण राशि का क्लेम दिलवाए जाने का पक्ष रखा। प्रस्तुत न्यायिक दृष्टांत एवं कानूनी प्रावधानों को मध्यनजर रखते हुये माननीय न्यायालय ने उतराधिकार दावे में वर्णित समस्त बीमा पॉलिसियों की क्लेम राशियों में केवल मात्र मृतक की पत्नी व पुत्र के पक्ष में कुल 1,06,79,320/- रूपये की राशि का उत्तराधिकार प्रमाणपत्र जारी करने के आदेश प्रदान किए।

एडवोकेट सुरेश कुमावत ने इस मामले में जिस दक्षता से प्रभावी पैरवी की वह प्रशंसनीय है। कुमावत इंडिया पत्रिका परिवार इनके उज्ज्वल भविष्य की कामना करता है।

भू-जल संचयन के लिए 'वाटर फिल्टर'

जल के बिना जीवन की कल्पना संभव नहीं है। परन्तु आज सम्पूर्ण विश्व में जल-संकट छाया हुआ है। जल संचयन बिगड़ रहा है। भू-जल स्तर लगातार घटता जा रहा है। धरती के क्षेत्रफल का 70 प्रतिशत भाग जल से भरा है, परन्तु पीने योग्य जल मात्र तीन प्रतिशत ही है।

भू-जल पानी का एक महत्वपूर्ण स्त्रोत है और जल की अधिकतर आपूर्ति भू-जल पर निर्भर करती है। परन्तु भू-जल स्त्रोत तेजी से रसातल में जा रहा है। राजस्थान में भू-जल के असंतुलित दोहन के कारण 29 जिलों में तो पाताल में भी पानी नहीं बचा है, मात्र 4 जिले ही सुरक्षित हैं।

बेंगलुरू शहर में जल संकट गहरा गया है तथा दक्षिण अफ्रीका के शहर केपटाऊन भी जल संकट का सामना कर रहा है।

वाटर हार्वेस्टिंग : वर्षा जल को संचित कर वापस भू-जल स्त्रोत में भेजकर भू-जल स्तर में वृद्धि करने को 'वाटर हार्वेस्टिंग' कहा जाता है परन्तु इस ओर बहुत कम ध्यान दिया जा रहा है। वस्तुत: सभी लोग 'वाटर हार्वेस्टिंग' कर सकते हैं। इसके लिए घर या ऑफिस की छत पर जो बारिश का पानी गिर रहा है, उसे जिस पाइप के द्वारा छत से नीचे लाया जा रहा है, उसमें अतिरिक्त पाइप जोड़कर बोरवेल, हैंडपम्प, कुंआ आदि जल-स्त्रोत तक ले जाया जाता है।

वाटर फिल्टर : जल स्त्रोत से ठीक पहले उस पाइप में 'वाटर फिल्टर' जोड़ देते हैं। वाटर फिल्टर में एक ड्रेन-वाल्व भी रहता है जिसके द्वारा छत की गंदगी पहली और दूसरी वर्षा के समय बाहर निकल जाने देते हैं, ताकि छत की गंदगी फिल्टर में नहीं जावे। जब साफ पानी आने लगता है तो ड्रेन-वाल्व को बंद कर देते हैं जिससे वर्षा का पानी जल स्त्रोत में जा सके।

कई प्रकार के 'वाटर फिल्टर' बाजार में मिलते हैं। उदयपुर (राजस्थान) के निवासी डॉ.पी.सी. जैन ने इस दिशा में उल्लेखनीय कार्य किया है। बताया जाता है कि केन्द्र सरकार ने उन्हें 2020 में 'वाटर हीरो' सम्मान से नवाजा था। दैनिक भास्कर तथा राजस्थान पत्रिका ने भी उनके जल संरक्षण के कार्यों को मान्यता देते हुए पुरस्कृत किया है।

डॉ. जैन के अनुसार मध्य प्रदेश के देवास में विकसित किया गया 'देवास वाटर फिल्टर' 'वाटर हार्वेस्टिंग' अर्थात छतों के पानी को किसी जल स्त्रोत तक पहुँचाने का एक सस्ता, सरल और उपयोगी माध्यम है।

उन्होंने इस सम्पूर्ण प्रक्रिया का चित्र भी भेजा है। उनका कहना है कि थोड़ा प्रयत्न कर एक अच्छा सा 'वाटर फिल्टर' कोई भी बना सकता है। इस फिल्टर में रेत के छोटे-बड़े कण भरे जाते हैं जो पानी को साफ करते हैं।

साभार : पाथेय कण

सामाजिक ढांचे का मूल आधार महिला सुरक्षा

आज विश्व के अन्य देशों सहित भारत वर्ष में भी नारी सशक्तिकरण, चेतना, विकास तथा अधिकारों को लेकर उत्तरोत्र जनचेतना जागृत हई है। लगभग सभी क्षेत्रों में महिलाओं ने अपनी कुशलताओं का परचम लहराया है। पर क्या हमने कभी सोचा कि इतना उन्नत होने के बावजूद त्रुटियां कहां हो रही हैं और वे कौनसे उत्तरदायी कारक हैं जिनके कारण आज भी शिक्षित, नोकरीपेशा और शहरी महिलाएं तक शारीरिक व मानसिक शोषण से पीड़ित है। अशिक्षित, ग्रामीण तथा जनजातियों की महिलाओं की स्थिति तो और भी बहुत दयनीय है। इस शोषण की जड़े कहां है? शोषण के इस मकड़जाल से महिलाएं क्यों नहीं निकल पा रही? इस मुद्दे पर आवाज बुलंद करना बहुत जरूरी है। इतने कानून सरकार द्वारा बनाएं गये मगर स्थिति तो आज भी जस की तस है। आखिर क्यों, हम आज तक महिला शिक्षा पर ही बात करते रहे, महिलाओं के अधिकारों के लिए ही लड़ते रहे और इसमें काफी हद तक सफल भी हो गये मगर क्या हममें से किसी ने कभी ये सोचा कि सबसे महत्वपूर्ण विषय तो सुरक्षा का है। हमारी बेटियां पढ़-लिख भी रही हैं, उच्च पदों पर आसीन हो रही हैं और समाज का गौरव भी बढ़ा रही हैं लेकिन फिर भी यदि वे स्वयं को सुरक्षित महसूस नहीं कर पाती तो यह सशक्तिकरण किस काम का है? यह बहुत विचारणीय विषय है कि इतने सारे कानूनों तथा प्रत्येक स्तर पर महिलाओं को आगे बढ़ाने के तमाम सफल प्रयासों के बावजूद भी यदि हमारे परिवार, समाज तथा शहर की महिलाएं व बच्चियां असुरक्षित महसूस करती हैं तो खामियां तो कहीं ना कहीं हैं। दरअसल हम समानता की बात करते हैं। स्त्री को पुरुषों के समकक्ष कह कर हम नारी की शक्ति और सम्मान का स्वयं निरादर करते हैं। महिला और पुरुष कभी समान हो ही नहीं सकते। दोनों के गुण, प्रकृति, नियति तथा रचना पृथक-पृथक है। समानता का अर्थ हम बस इतना समझते हैं कि महिलाएं पुरुषों से कंधे से कंधा मिलाकर रोजगार करें तथा धन कमाकर आत्मनिर्भर बनें। जबकि सत्यता यह है कि स्त्री और पुरुष की बराबरी हो ही नहीं सकती, क्योंकि दरअसल स्त्री एक शक्ति स्तम्भ है, स्त्री एक आलौकिक प्रकाश पुंज है, अन्नपूर्णा है, दैवीय शक्ति है और पूरे ब्रह्माण्ड में मात्र एक नारी शक्ति ही अपनी कोख से किसी को जीवन प्रदान कर सकती है, ईश्वर ने पुरुष में यह सामर्थ्य नहीं दिया है। परन्तु यह भी असत्य है कि नारी को पुरुष के संबल की या परिवार की या संतान की आवश्यकता ही नहीं। दरअसल इन्हीं से नारी जीवन की परिपूर्णता है। विवाह के बंधन में बंधना तथा मातृत्व सुख प्राप्त करना कोई जिम्मेदारी या मजबूरी नहीं, यह तो प्रकृति की व्यवस्थाएं हैं जो समाज के निर्माण के लिए नितांत आवश्यक है। आज हमनें स्वयं अपनी बच्चियों के मन मस्तिष्क में यह जहर घोल दिया है कि पढ़ना-लिखना, खूब कमाना और फिर मनचाहा पहनना, घूमना-फिरना यही स्वाधीनता, तथा पुरुषों से बराबरी की परिभाषा है। नतीजा, बेटी शादी नहीं करना चाहती, माँ नहीं बनना चाहती, परिवार से अलग रहना चाहती है क्योंकि वह आत्म निर्भर है। शायद हम नहीं जानते कि आने वाली पीढ़ियों को इसका कितना भयावह परिणाम भुगतना पड़ेगा। हमें एक जड़ मानसिकता में जीना छोड़ना होगा और यह समझना होगा कि निरंकुशता में आत्मनिर्भरता नहीं है। आज वह वक्त आ गया है कि हमें अपनी बेटियों को आत्म सुरक्षा की बात समझानी होगी। सही व गलत में अंतर समझ उनमें 'ना' कहने के साहस को जागृत करना होगा। यदि हम बच्चियों व महिलाओं में सेल्फ डिफेन्स के आंकड़ों को देखें तो यह बहुत कम है, इसे अनिवार्य शिक्षा के रूप में लागू किया जाना चाहिए। परिवार की महिला सदस्यों व बच्चियों से यौन शोषण के विषय में, नारी सुरक्षा के विषय में, किसी भी स्तर पर होने वाले शारीरिक शोषण के विषय पर जो परिवार, विद्यालय, ट्यूशन, बस, सड़क, पड़ौस, ऑफिस या सार्वजनिक स्थल कहीं भी हो सकता है, खुलकर बात करें तथा उनमें भी इन विषयों पर बोलने का साहस बढ़ाएं। बेटियों को परिवार से नहीं, बल्की बाहर अपनी सुरक्षा के लिए लड़ना सिखाएं।

कुछ बदलाव वृहद स्तर पर भी किए जाने आवश्यक हैं। इनमें सोशल मीडिया पर अंकुश, शराब बंदी, बलात्कार जैसे अपराधों पर अंकुश हेतु कठोर कानूनों की आवश्यकता, शिक्षण संस्थाओं में आत्म सुरक्षा संबंधी ज्ञान जैसे जूड़े कराटे इत्यादि को अनिवार्य विषय के रूप में लागू करने जैसे मुद्दों पर सरकार द्वारा ध्यान दिया जाना बेहद आवश्यक है। नारी जब सुरक्षित होगी तभी सही मायने में सशक्त होगी।

-उर्वशी बालोदिया

चित्रकला प्रशिक्षण

अजमेर। कुमावत (क्षत्रिय) सभा संस्था, अजमेर की ओर से नि:शुल्क चित्रकला प्रशिक्षण शिविर का आयोजन श्रीसत्यनारायण मंदिर, शांतिपुरा में किया गया। शिविर समाप्ति पर सभी 53 प्रतिभागियों को प्रमाण-पत्र व पारितोषिक देकर सम्मानित किया गया। प्रशिक्षक चित्रकार प्रकाश चन्द नागौरा का साफा बांधकर, शॉल पहनाकर तथा स्मृति चिह्न देकर सम्मान किया गया। इस अवसर पर संतोष किरोड़ीवाल, राजकुमार गढ़वाल, नेमीचन्द किरोड़ीवाल, ईश्वर देवड़ा, राजवीर सिंह, पुष्कर नारायण, भागचंद सिरस्वा आदि गणमान्य समाजजन उपस्थित रहे। कार्यक्रम के समापन पर शंकरलाल मारोठिया ने आभार व्यक्त किया।

विश्व जनसंख्या दिवसः चुनौतियाँ और अवसर

विश्व जनसंख्या दिवस हर साल 11 जुलाई को मनाया जाता है। इस दिन का उद्देश्य वैश्विक जनसंख्या मुद्दों पर ध्यान केंद्रित करना और जनसंख्या के तेजी से बढ़ते प्रभाव को समझाना है। विश्व जनसंख्या दिवस की शुरुआत 1989 में संयुक्त राष्ट्र विकास कार्यक्रम के गवर्निंग काउंसिल ने की थी।

जनसंख्या वृद्धिः एक विश्वव्यापी मुद्दाः पिछले कुछ दशकों में, विश्व की जनसंख्या तेजी से बढ़ी है। आज यह लगभग 8 अरब के करीब है। यह वृद्धि कई देशों में संसाधनों की कमी और पर्यावरणीय समस्याओं को बढ़ावा देती है।

जनसंख्या वृद्धि के कई कारण हैंः उन्नत चिकित्सा सुविधाएंः चिकित्सा क्षेत्र में हुई प्रगति ने मृत्यु दर को कम किया है।

प्रजनन दरः कुछ देशों में उच्च प्रजनन दर भी जनसंख्या वृद्धि का कारण है।

शिक्षा की कमीः शिक्षा की कमी के कारण परिवार नियोजन के तरीकों के प्रति जागरूकता कम है।

सांस्कृतिक और धार्मिक विश्वासः कुछ समाजों में बड़े परिवारों को प्राथमिकता दी जाती है।

तेजी से बढ़ती जनसंख्या कई चुनौतियाँ उत्पन्न करती हैः संसाधनों की कमीः जल, भोजन, और ऊर्जा जैसी बुनियादी जरूरतों की कमी।

पर्यावरणीय समस्याएँः वनों की कटाई, प्रदूषण, और जलवायु परिवर्तन।

आर्थिक चुनौतियाँः बेरोजगारी, गरीबी, और असमानता बढ़ती है।

शिक्षा और स्वास्थ्यः शिक्षा और स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता में गिरावट।

अवसरः जनसंख्या वृद्धि के बावजूद, यदि सही तरीके से प्रबंधन किया जाए, तो यह कई अवसर भी प्रदान करती हैः

बड़ी श्रम शक्तिः युवा आबादी के कारण कार्यबल में वृद्धि होती है।

शिक्षा : यदि सही शिक्षा और प्रशिक्षण दिया जाए, तो यह आर्थिक विकास को बढ़ावा दे सकता है।

विचार : बड़ी आबादी नए विचारों और नवाचार को जन्म देती है।

इन चुनौतियों का समाधान ढूंढने के लिए कई कदम उठाए जा सकते हैंः

शिक्षाः शिक्षा का प्रसार और जागरूकता अभियान चलाना आवश्यक है।

परिवार नियोजनः परिवार नियोजन के तरीकों के बारे में जानकारी देना।

महिला सशक्तिकरणः महिलाओं को शिक्षा और रोजगार के अवसर प्रदान करना।

नीति निर्माणः सरकारों को जनसंख्या नियंत्रण के लिए ठोस नीतियाँ बनानी चाहिए।

विश्व जनसंख्या दिवस हमें याद दिलाता है कि जनसंख्या वृद्धि केवल एक संख्या नहीं है, बल्कि यह हमारे पर्यावरण, अर्थव्यवस्था और समाज पर गहरा प्रभाव डालती है। हमें मिलकर इन चुनौतियों का सामना करना होगा और सही अवसरों का उपयोग करके एक बेहतर भविष्य की ओर कदम बढ़ाना होगा।

जनसंख्या दिवस के अवसर पर, हमें यह संकल्प लेना चाहिए कि हम सभी मिलकर इस वैश्विक समस्या का समाधान ढूंढेंगे और एक संतुलित और समृद्ध समाज की स्थापना करेंगे।

– **सीमा कुमावत** (मारवाल)

राबड़ी दिवस

राजस्थान के डूंगरगढ में 10 जून को राबड़ी दिवस मनाया जाता गया। राबड़ी मोटे अनाज बाजरा/ज्वार/गेहूं/मक्के आदि के दलिये व बिलौने की छाछ से बनाई जाती है। छाछ गर्म करके उसमें दलिया डालकर पकाकर बनाते है।

राबड़ी स्वास्थ्य के लिए लाभदायक है। पश्चिमी राजस्थान के मारवाड़ क्षेत्र के गांवों में सुबह का नाश्ता राबड़ी से ही होता है। गांव में सुबह के भोजन में ठंडी राबड़ी के साथ दही मिलाकर प्याज काटकर रोटी चुरकर जीमने का आनंद ही अलग होता है। सुबह राबड़ी, दही व रोटी का झारा (नाश्ता) करने के बाद अगर दिन का भोजन देर से करें तो भी कोई चिंता नहीं, राबड़ी के दम पर व्यक्ति दिनभर मजबूत (लांठा) रहता है।

सबसे अच्छी राबड़ी बाजरी के दलिये से बनती है। राबड़ी की प्रकृति शीतल होती है इसलिए गर्मियों में इसे खाना लाभप्रद है। गांवों में आज भी राबड़ी को बनाया व खाया जाता है लेकिन शहरों में यह लगभग बनना बन्द ही हो गई है। हालांकि अब गांवों में भी चलन कम हो रहा है। राबड़ी दिवस लोगों को राबड़ी का चलन वापस लाने के उद्देश्य से मनाया जाता है।

ग्रामीण क्षेत्र के हर घर में आज भी लगभग रोजाना राबड़ी बनती है। आप भी मोटे अनाज से बनी राबडी इन गर्मियों खाईये और लू व गर्मी से बचे तथा शीतलता का आनन्द ले।

वि/1 श्री महेश चन्द जलान्धरा, झोटवाड़ा, जयपुर
वि/2 श्री नीरज धुन्धारिया, आनन्दपुरी, जयपुर
वि/3 श्री मनीष खोवाल कुमावत एडवोकेट, जयपुर
वि/4 श्री मनोज कुमार सिरसवा, जयपुर
वि/5 श्री शंकर लाल जायलवाल, टोंक रोड, जयपुर
वि/6 श्री यतेन्द्र अजमेरा, त्रिमूर्ती सर्किल, जयपुर
वि/7 श्री राकेश चन्द सिरोहिया, झोटवाड़ा, जयपुर
वि/8 श्री संदीप नागा, बापू नगर, जयपुर
वि/9 श्री राजेन्द्र कुमार वर्मा, भौरोदिया जयपुर
वि/10 श्री मोहन कुमार घोड़ीवाल, जयपुर
वि/11 श्री नवल सरथल्या, महावीर नगर, जयपुर
वि/12 श्री पंकज कुमावत, वैरा झोटवाड़ा, जयपुर
वि/13 श्री चेतन कुमावत, डीसीएम, जयपुर
वि/14 श्री मनोज माचीवाल, झोटवाड़ा, जयपुर
वि/15 श्री दीपक सिरोहिया, झोटवाड़ा, जयपुर
वि/16 श्री लक्ष्मी नारायण घोड़ीवाल, जयपुर
वि/17 श्री योगेश वर्मा, खड़गटा, टोंक रोड, जयपुर
वि/18 श्री शैलेन्द्र खटगटा, टोंक रोड, जयपुर
वि/19 श्री विनोद बालोदिया, दुर्गापुरा जयपुर (स्व.)
वि/20 श्री ओमकार मल घोड़ेला, रींगस रोड, जयपुर
वि/21 श्री रामपाल मारवाल, झोटवाड़ा, जयपुर
वि/22 श्री रामप्रकाश बेरा, मुरलीपुरा, जयपुर
वि/23 श्री मोहनलाल घोड़ेला, नींदड़, जयपुर
वि/24 श्री कालूराम होदकास्या, नींदड़, जयपुर
वि/25 श्री जयनारायण मारवाल, झोटवाड़ा, जयपुर
वि/26 श्री महेंद्र खरोलिया, चांदपोल बाजार, जयपुर
वि/27 डॉ. सीताराम नागा, जोबनेर, जयपुर
वि/28 श्री शंकरलाल मामोड़िया, 22 गोदाम, जयपुर
वि/29 श्री रामस्वरूप खोराणिया, जयपुर
वि/30 श्री नरेंद्र कुमार आर्य, ब्यावर, अजमेर
वि/31 श्री चेनसुख बड़ीवाल, बगरू, जयपुर
वि/32 श्री चांदमल कुमावत (घोड़ेला), मुंबई
वि/33 श्री राजसिंह गैदर, पांचावाला, जयपुर
वि/34 श्री मनोज ब्याडवाल, श्रीराम नगर, झोटवाड़ा
वि/35 श्री गोपाल मारवाल, श्रीमाधोपुर, सीकर
वि/36 श्री मनीष मारवाल, निवारू रोड, जयपुर
वि/37 श्रीरूप सिंह कारगवाल, जयपुर
वि/38 श्री दया प्रकाश जलांधरा, इंदौर
वि/39 श्री नवीन कुमार वर्मा भौंरोदिया, इंदौर
वि/40 श्री राजेंद्र प्रसाद, तमिलनाडु
वि/41 श्री शिव भगवान चेजारा, सिरस्वा, सीकर
वि/42 श्री तेज प्रकाश नागा, जोबनेर, जयपुर
वि/43 श्री पृथ्वीराज जलान्धरा, झोटवाड़ा, जयपुर
वि/44 श्री मोहन कुमार बालोदिया, जयपुर
वि/45 श्री पुरुषोत्तम लाल घोड़ेला, जयपुर
वि/46 श्री ललित स्वरूप पोडेला, जयपुर
वि/47 श्री विजय कुमावत (भौरोंदिया), जयपुर
वि/48 श्री अरविंद सिरस्वा, पचार, सीकर
वि/49 श्री मूलचंद खोवाल, जयपुर
वि/50 श्रीमती शशि वर्मा, धुमुनिया, दुर्गापुरा, जयपुर
वि/51 श्री राजेंद्र जूनवाल, टोंक फाटक, जयपुर

विशिष्ठ संरक्षक

वि/52 श्री सतीश चंद खाटूवाल, जयपुर
वि/53 श्री नन्द किशोर सिरस्वा, झोटवाड़ा, जयपुर
वि/54 श्री संतोष खरनारिया कुमावत, अजमेर
वि/55 श्री प्रमोद कुडावलिया, छत्तीसगढ़,
वि/56 श्री मनोज बड़ीवाल, रायपुर, छत्तीसगढ़
वि/57 श्री श्रीराम नीमिवाल, जयपुर
वि/58 श्री भीवाराम दम्बीवाल, निर्माण नगर, जयपुर
वि/59 श्री पन्नालाल सिरस्वा, निर्माण नगर, जयपुर
वि/60 श्री रामस्वरूप कुमावत, बड़ीवाल, मुम्बई
वि/61 श्री हेमेंद्र सिंह गैदर, टोंक रोड, जयपुर
वि/62 श्री साधुलाल चेजारा (सिरस्वा), जयपुर
वि/63 श्री गोपाललाल बासनीवाल, जयपुर
वि/64 श्री मोहनलाल मामोड़िया, जयपुर
वि/65 श्री रामकुमार बिरथलिया, जयपुर
वि/66 श्री जगदीश कुमावत
वि/67 श्री मुकेश कु. कुदीवाल, झोटवाड़ा, जयपुर
वि/68 श्री रोहिताश मोरवाल, झोटवाड़ा, जयपुर
वि/69 श्री शुभकरण किरोड़ीवाल, सूरत
वि/70 श्री नान्छीलाल कुद्दीवाल, जयपुर
वि/71 श्री रमेश चंद माचीवाल, त्रिनगर, दिल्ली
वि/72 श्री राधेश्याम घासोलिया, दिल्ली
वि/73 श्री हंसराज मारवाल, ब्यावर
वि/74 श्री मेघराज सिरस्वा, छत्तीसगढ़
वि/75 श्री सूरजमल अनावड़िया, लाल कोठी, जयपुर
वि/76 श्री छीतरमल धुंधारिया, निवारू रोड, जयपुर
वि/77 श्री रामगोपाल खोराणिया, सोडाला, जयपुर
वि/78 श्री हरिशंकर राजौरा, जयपुर
वि/80 डॉ. प्रवीण कुमार मारवाल, झुंझुनूं
वि/81 श्री अर्जुन लाल धुन्धारिया, जयपुर
वि/82 श्री ओम प्रकाश धुन्धारिया, जयपुर
वि/83 श्री गोविंद नारायण तांगड़ा, जयपुर
वि/84 श्री सुरेंद्र सिंह तारकसी, बापू नगर, जयपुर
वि/85 श्री माधव दास बालोदिया, जयपुर
वि/86 श्री मोहित धुन्धारिया, जयपुर
वि/87 श्री बाबूलाल मंडावरा, जयपुर
वि/88 श्री मनीष वर्मा (सिरस्वा), दुर्गापुरा, जयपुर
वि/89 श्री हेमांक खड़गटा, मोती डूंगरी, जयपुर
वि/90 श्री कैलाश जलान्धरा, माल की ढाणी, दूदू
वि/91 श्री लोकेश जंहाजपुरिया, नंदपुरी, जयपुर
वि/92 श्री नन्दकिशोर आसीवाल, रिंगस, सीकर
वि/93 श्री बाबूलाल धुन्धारिया, वीकेआई, जयपुर
वि/94 श्री रामसिंह बैथाड़िया, तुलसी सेन्ट्रल मैन बाजार, सांगानेर
वि/95 श्री मदन लाल कुमावत, निर्माण नगर, जयपुर
वि/96 श्री नरेंद्र मामोडिया, अशोक नगर, उदयपुर
वि/97 श्री बाबूलाल कुमावत, झोटवाड़ा, जयपुर
वि/98 श्री रमेश मारवाल, खातीपुरा, जयपुर
वि/99 श्री प्रहलाद नारायण कुमावत, जयपुर
वि/100 श्री सत्यनारायण कुमावत, जयपुर
वि/101 श्री दीपेश टी. मॅडावरा, जयपुर
वि/102 श्री राकेश कुमावत (एडवोकेट), बरकत नगर, जयपुर
वि/103 श्री ओमप्रकाश कुमावत, जयपुर
वि/104 श्री रमेश चन्द ब्याड़वाल, नई दिल्ली
वि/105 डॉ. एन.के. कुमावत, लालकोठी, जयपुर
वि/106 श्री राम प्रसाद छापोला, झोटवाड़ा, जयपुर
वि/107 श्री गिरधारी लाल सिंघनवाल, उदयपुर
वि/108 श्री राकेश कुमावत (धनारिया), उदयपुर
वि/109 श्री बाबूलाल वर्मा (ब्याड़वाल), नई दिल्ली
वि/110 श्री कन्हैयालाल खण्डारिया, जयपुर
वि/111 डॉ. महेश कुमार जालवाल, जयपुर
वि/112 डॉ. श्रीमती श्यामा कुमावत, उदयपुर
वि/113 श्री महेश कुमार कुमावत, किशनगढ़
वि/114 श्री मुकेश वर्मा (मरोड़िया), जयपुर
वि/115 श्री जयकिशन कुमावत (सोकिल), चौमूं
वि/116 श्री गजेंद्र मारवाल, सांगानेर, जयपुर
वि/117 श्री सुनील तोंदवाल, वीकेआई, जयपुर
वि/118 श्री मदनलाल जलान्धरा, झोटवाड़ा, जयपुर
वि/119 श्री सुमित कुमार घोड़ेला, मुंबई
वि/120 श्री ओम प्रकाश का कारगवाल, ब्यावर
वि/121 श्री प्रेमचन्द कुमावत (बैरा), झोटवाड़ा, जयपुर
वि/122 श्री योगेश वर्मा, मुम्बई
वि/123 श्री राजेश धूंधारिया, डूंडलोद कॉलोनी, जयपुर
वि/124 श्री सुनील प्रकाश वर्मा, मुम्बई
वि/125 श्री उम्मेद सिंह नन्दीवाल पुत्र श्री जी.एस. नन्दीवाल, जयपुर
वि/126 श्री रामलाल बैथाड़िया
वि/127 श्री लोकेन्द्र बालोदिया, जयपुर
वि/128 श्री कुमार गौरव कुमावत, कोटा
वि/129 श्रीमती मेघना कुमावत, जयपुर
वि/130 श्री गोपाल लाल कुण्डलवाल, जयपुर
वि/131 श्री दामोदर लाल जलान्दरा, जयपुर
वि/132 डॉ. पी.एम. कुमावत, उज्जैन
वि/133 श्री विमल कुमावत, जयपुर
वि/134 श्री महेन्द्र सिंह, बापूनगर, जयपुर
वि/135 श्री गोपाल लाल-सीताराम, जयपुर
वि/136 श्री रुपेश मारोठिया, बरकतनगर, जयपुर
वि/137 श्री घनश्याम देवतवाल, पटेल कॉलोनी, जयपुर
वि/138 श्री लक्ष्मीनारायण सिरस्वा, मुरलीपुरा, जयपुर
वि/139 श्री प्रहलादराय नोखवाल, भदाल, गोविन्दगढ़
वि/140 श्री घनश्याम खाटूवाल, ढोडसर
वि/141 श्री मुकेश कारगवाल, बरकत नगर, जयपुर
वि/142 श्री कैलाश खटोड़, गजसिंहपुरा, गोपालपुरा बाईपास, जयपुर
वि/143 श्री संजीव कुमार वर्मा, मानसरोवर एक्स., जयपुर
वि/144 श्री रामेश्वर बम्बोरिया, पवन टॉवर, सोडाला, जयपुर
वि/145 श्री राकेश कुमावत,(आसीवाल), बनीपार्क, जयपुर
वि/146 श्री यतेन्द्र सिंह, खिरणी फाटक, जयपुर
वि/147 श्री प्रारूप कुमावत, रांकड़ी, जयपुर
वि/148 श्री शिवदयाल धुंधारिया, सीकर रोड, जयपुर
वि/149 श्री छीतरमल मारवाल, झोटवाड़ा, जयपुर
वि/150 श्री कैलाश घोड़ावड़, सूरत
वि/151 श्री गणेश लाल कुमावत, देवी नगर, जयपुर
वि/152 श्री ओम प्रकाश वर्मा, अलथान रोड, सूरत

''कुमावत इंडिया'' पत्रिका परिवार की ओर से सभी दिवंगत आत्माओं को अश्रुपूरित श्रद्धांजलि

14 मई श्रीमती नानगी देवी माचीवाल, झोटवाड़ा, जयपुर
18 मई श्रीमती रंजना जालवाल, निर्माण नगर, जयपुर
19 मई श्री रामचन्द्र पालड़िया, उदयपुर
21 मई श्रीमती शकुन्तला देवी टांक, ब्यावर
23 मई श्री हरिश चन्द्र किरोड़ीवाल, झोटवाड़ा, जयपुर
26 मई श्री रमेश चन्द्र गोठवाल, पुलां,उदयपुर
27 मई श्री खेमचंद सिरोठिया, डिग्गी रोड, सांगानेर
27 मई श्री महेश कुमार भदानिया, चांदपोल, उदयपुर
28 मई श्री गोविन्द बासनीवाल, झोटवाड़ा, जयपुर
29 मई श्री रामचन्द्र अजमेरा, आचार्य मार्ग, उदयपुर
28 मई गंगाराम घोड़ेला, से.नि. पुलिस उपअधीक्षक, फुलेरा
30 मई श्री आनन्दीलाल मारोठिया, सिरसी, जयपुर
31 मई श्री गौरव देतवाल, ब्यावर

1 जून श्री मनोज जालवाल, बापूनगर, जयपुर
2 जून श्रीमती माया देवी, बबेरीवाल, शर्मा कॉलोनी, 22 गोदाम, जयपुर
2 जून श्री लालचन्द दम्बीवाल, ब्यावर
3 जून श्रीमती संज्या देवी धुधारिया, ज्योतिनगर, जयपुर
4 जून श्रीमती धापादेवी आसीवाल, जाहोता, जयपुर
4 जून श्री मनोहर कुमावत, प्रधान सम्पादक, कुमावत जागृति, उज्जैन
7 जून श्रीमती नाथीदेवी, टोंक रोड, जयपुर
7 जून श्री गंगाराम मोरवाल, जे.पी. कॉलोनी, टोंक फाटक, जयपुर
8 जून श्री श्याम सुन्दर, डूंडलोद कॉलोनी, 22 गोदाम, जयपुर
8 जून श्री गिरधारी मारवाल महाराज, मोतीबंधा, मंचाडा
8 जून श्रीमती शांतिदेवी जलान्धरा, लालकोठी, जयपुर
8 जून श्री ओमप्रकाश भोड़या, बिहारीपुरा रोड, चौमूं
9 जून श्री जसवन्त बड़ीवाल, कॉलेज रोड, ब्यावर
10 जून श्रीमती खुशबू देवाली, उदयपुर
13 जून श्री द्वारका गमेरिया, मंगलम आनन्दा, सांगानेर
14 जून श्रीमती युवलेश, किशनगढ़, रेनवाल

विवाह योग्य युवक-युवतियों की सूची

युवक

नाम	शिक्षा	व्यवसाय	जन्म	ऊंचाई	गौत्र				संपर्क सूत्र	स्थान
					स्वयं	माता	दादी	नानी	मो. नंबर	
गौरव	B.Tech.(IT)	Camtra; Govt.	24.1.93	5'6''	आईथान	सोकिल	घोड़ेला	सिरस्वा	9887695665	जयपुर
श्रीकान्त	B.Pharma	Pvt. Ltd.	8.3.96	5'9''	बेड़वाल	देवतवाल	मारवाल	गैदर	9950442569	जयपुर
सुनील	B.Tech. (IT)	Pvt. Ltd.	4.11.93	6'1''	राहोरिया	जूनवाल	बालोदिया	बासनीवाल	7877099792	जयपुर
अभिषेक	M.Com., LLB	Tax Conltant GST	2.9.94	5'10''	मारवाल	देवतवाल	तूनवाल	गैदर	9351935363	जयपुर
हरीशंकर	ITI (Electrician)	Pvt. Job	12.5.97	5'7''	मामोडिया	मारवाल	देवतवाल	कुलचानिया	7062788032	जयपुर
छविकान्त	B.Com.	Pytm Grab Leader	20.4.96	5'8''	करोडिवाल	सारड़ीवाल	कारगवाल	घोड़ेला	9351383277	जयपुर
अक्षय	B.Tech,(Civil)	Senior Eng, (Govt. of India)	15.5.2000	5'10''	राजोरिया	संघाटिया	दोराया	मारवाल	9314418204	जयपुर
निखिल	Civil Eng.	Self Employ	22.2.95	5'11''	बडानिया	बारावाल	खोरानिया	मामोड़िया	9414238799	जयपुर
दीपक	10th	DJ & Event shop	39 वर्ष	5'9''	धुंधारिया	गरचाणिया	मोहन्या	कुण्डलवाल	9929086238	जयपुर
योगेश	B.Tech. (Mach)	Officer in JMS	25.11.96	5'9'	मालिया	घोड़ेला	नागोरा	राहोरिया	9413907263	पुष्कर
योगेश	M.Com.	Competition Fight	30.6.97	5'7''	देवतवाल	मामोड़िया	बालोदिया	अनावड़िया	8058801772	जयपुर
बाबूलाल	ITI,CITS	Govt. ITI instructor	11.3.96	6'0''	दम्बीवाल	दोराया	नागा	मारवाल	9351890880	रेनवाल
धर्मेश	Diploma Civil Engi.	Enginer	18.8.94	5'3''	तूनवाल	सिरसवाल	मारवाल	घटेलवाल	8440877341	अजमेर
यक्ष(मांगलिक)	M.B.A.	Senior Officer Pvt.	28.3.97	5'7''	जारोला	नूखवाल	तलाइचा	माल	9828267313	उदयपुर
मेवाराम	M.A., B.Ed.	Comp. Operator	2.1.96	5'6''	बीवाल	रतिवाल	सिरस्वा	मारवाल	9929053674	रेनवाल
गौरव	M.A, ITI	Automotive workshop	28.7.97	5'5''	पड्लाया	मारवाल	खोरानिया	अनोखीवाल	8058913987	निवारू
पुलकित	B.Tech. (CS)	Software Eng.	9.3.95	6'0''	जूनवाल	नागा	सिरस्वा	चन्देरिया	9414556913	सवाईमाधोपुर
नीरज	M.A.,Dipoma	Private	5.2.97	5'9''	तूंदवाल	भोरोदिया	भोंडीवाल	खोवाल	9414354552	किशनगढ़
हर्षित	B.Tech (ECE)	Rare Weave	13.3.90	6'0''	आसीवाल	मारोठिया	बैरा	बगरानिया	9414446574	जयपुर

युवतियाँ

नाम	शिक्षा	व्यवसाय	जन्म	ऊंचाई	गौत्र				संपर्क सूत्र	स्थान
					स्वयं	माता	दादी	नानी	मो. नंबर	
गरिमा	M.Com.	Teaching	1.11.95	5'7''	खोवाल	बबेरीवाल	कारगवाल	बालोदिया	8952096626	जयपुर
नीलम	M.Sc.(Chers.)	Preparing competative exm.	30.6.95	5'3''	दम्बीवाल	बड़ीवाल	पीपलोदा	मारवाल	9414638298	फुलेरा
दुर्गेशनंदिनी	B.Tech (IT)	Senior op. Executive	1.12.94	5'2''	करोड़ीवाल	सारड़ीवाल	कारगवाल	घोड़ेला	9351383277	जयपुर
पूजा	M.A., B.Ed.	Private	5.8.92	-	मालिया	घोड़ेला	नागोरा	राहोरिया	9413907263	पुष्कर
रविना	M.A.	Private	30.7.94	-	मालिया	घोड़ेला	नागोरा	राहोरिया	9413907263	पुष्कर
अंजली	B. Tech (Taxtis)	Pvt.Ltd.	-	5'3''	डीडवानिया	मारावंडिया	खरनारिया	सर्वा	9414395517	निम्बहेड़ा
कुसुम	BCA	Private	26.3.95	5'1''	टांक	दूबल्दीया	गोठवाल	गुणन्न	8955396990	ब्यावर
रुचिका	M.Sc.(MicroBiology)	Pvt.Ltd.	29.9.98	5'5''	छापोला	सिरस्वा	नीमीवाल	कलोया	8758058333	वल्साड़
लक्ष्ता	B.Tech(Civil)	AEN (Goct Sector)	13.9.95	5'6''	खाटूवाल	घोड़ेला	भूरोदिया	केकट्या	9468587369	जयपुर
नेहा	M.Sc.	-	16.1.96	5'4''	बालोदिया	मावाल	सिरोहिया	घासोलिया	9460145350	जयपुर
पूजा	M.E. (EC) B.Ed.	Professor	8.10.91	5'3''	डूंगरवाल	खटोड़	बरडिया	पुखवाल	9424845889	उज्जैन
आकांक्षा	M.A., B.Ed.(running)	-	27.2.95	5'0''	तांगडा	बालोदिया	बबेरीवाल	अजमेरी	9414250972	जयपुर
संजना(तलाकशुदा)	B.A., Diploma	-	26.6.94	-	गोयल	जालवाल	घोड़ेला	नेमीवाल	9636116254	भीलवाड़
मोनिका	M.Com.	ICICI Bank	13.6.94	5'1''	पारमवाल	घोड़ेला	लोहरवाड़िया	खाटूवाल	9351007736	ब्यावर
कृष्णा	M.A., B.Ed.	Pvt. School	27.6.87	5'3''	कुण्डलवाल	किरोड़ीवाल	नागा	मारोठिया	9887627551	ब्यावर
सलोनी	B.A.,Dip.(Cad)	Cad Disgner	5.9.98	5'2''	माचीवाल	नरानिया	दम्बीवाल	गैदर	7737512714	ब्यावर
मिताली	B.Tech. (IIT)	Ltd. Company	10.10.96	5'1''	अनावड़िया	घोड़ेला	कुण्डलवाल	राहोरिया	9414442615	जयपुर
अंजली(मांगलिक)	M.A., B.Ed.	-	5.8.99	5'6''	मारोडिया	बालोदिया	भोड्या	खोवाल	8302337139	जयपुर
तृप्ति	B.Com.(Diploma in Archi)	Pvt.	20.6.94	5'4''	खंडारिया	लोहरवाड़िया	जूनवाल	घोड़ेला	8385055018	जयपुर

नोट : 1. यदि आप अपनों की वैवाहिक जानकारी नि:शुल्क प्रकाशित कराना चाहते हैं तो उक्त कॉलम के अनुसार कार्यालय को जानकारी प्रेषित करें।

2. प्रदत्त सूचना के आधार पर यदि आपके किसी अपने का सम्बन्ध हो जाये तो कृपया 'कुमावत इंडिया' पत्रिका को सूचित करने का कष्ट करें।

3. उपरोक्त वैवाहिक बायोडाटा की जानकारी व्यक्तिगत, विभिन्न वैवाहिक ग्रुप एवं मीडिया के द्वारा प्राप्त हुई है।

कुमावत समाज विकास समिति, तहसील किशनगढ़-रेनवाल द्वारा प्रेषित सूची यथा प्रकाशित

विवाह योग्य युवती

							व्यवसाय		गोत्र			
कं.	नाम	पिता का नाम	जन्म तिथी	शिक्षा	पता	मोबाईल न.	स्वयं	पिता	स्वयं	मां	दादी	नानी
1	तुलसी	बेणा राम	2/1/2000	B.A.fin.	मिण्डा, नागौर	9784905456	मजदूरी	राजोरिया	जेठीवाल	झुनझुनोदिया	नेमीवाल	
2	मन्जु	छिगन लाल	10/6/1995	B.A.fin.	लुनियावास	7240122081	सिलाई	मजदूरी	सिरोडिया	नेमीवाल	दम्बीवाल	राहोरिया
3	प्रतिभा	ईश्वर लाल	13/01/2006	B.A. II	बाघावास	9829455652	पढाई	मजदूरी	बेडवाल	देवतवाल	आषीवाल	सारडीवाल
4	सुमन	रामलाल	26/03/1997	b.a, b.ad, m.a	जयपुर	6350404476	तैयारी	कारीगरी	होदकास्या	मारोठिया	छापोला	चुन्दवाल
5	कविता	रामलाल	20/8/2001	b.a,	जयपुर	8233039186		कारीगरी	होदकास्या	मारोठिया	छापोला	चुन्दवाल
6	संजना	गोपाल लाल	5/30/2002	12	बाघावास	8955644854	सिलाई	स्वर्गवास	बेडवाल	नेमीवाल	आषीवाल	मारवाल
7	अनिता	मुलचन्द	1/1/2000	12	बाघावास	9799770382	खेती	सब्जी की दुकान	काम्या	सालडीवाल	खाटुवाल	नेमीवाल
8	रेखा	मदन लाल	18/8/1996	b.tec,	रेनवाल	9414156644	फैशन डिजाईनर	टैकेदार	नेमीवाल	मारोठिया	किरोडीवाल	जेठीवाल
9	आरती	जगदीश प्रसाद	24/10/2002	b.a	रेनवाल	9829710788	शिक्षक	मजदूरी	आईथान	सिंगाठिया	नेमीवाल	बडीवाल
10	पुजा	राजेश	10/7/2001	b.a	रेनवाल	9462468251		मजदूरी	किरोडीवाल	छापोला	बारवाल	मारवाल
11	नीतू	सुरेश कुमार	6/4/2002	b.a	रेनवाल	7615824792		मजदूरी	किरोडीवाल	नागा	बारवाल	मारवाल
12	चंदा	छीतरमल	10/6/1995	m.sc(bio)	दांता	8690604018	राजकीय सेवा		जेठीवाल	घोडेला	सिरस्वा	नेमीवाल
13	सुमन	रामकिशोर	15/10/2002	12	रेनवाल	9001043840	पढाई	मजदूरी	खाटुवाल	जलिन्द्रा	बडीवाल	सिरस्वा
14	अनिशा	घनश्याम	14/06/2002	b.a. final	मिण्डा, नागौर	9602907742	ब्यूटी पार्लर, शिलाई	ईलेक्टीशीयन	जलिन्द्र	भरोदिया	मारोठीया	बडीवाल
15	हर्षिता	घनश्याम	14/5/2005	b.sc (bio)	मिण्डा, नागौर	9829616446	पढ़ाई	ईलेक्टीशीयन	जलिन्द्र	भरोदिया	मारोठीया	बडीवाल
16	ममता	नारायणलाल	15/5/2001	final	रामजीपुराकला	8905754836		बिल्डिंगलाईन	बडीवाल	सींधलवाल	दम्बीवाल	नेमीवाल
17	नीतू	ओमप्रकाश	7/9/1996	m.a. (public adm.)	मण्ढाभीमसिंह	9414606443		बिल्डर	छापोला	आषीवाल	आचिन्दा	दम्बीवाल
18	पुजा	कैलाश	11/7/2002	b.a	मिण्डा, नागौर	8741005747	तैयारी	आर.सी.सी	बडिवाल	सिरस्वा	करोडिवाल	माराठीया
19	पुजा	नेमीचन्द	24 yer	final	मिण्डा, नागौर	9869837099	लाईट फिटिंग	टाईल मिस्त्री	छिछोलिया	छोडेला	कुण्डलवाल	मारवाल
20	आरती	सोहन लाल	17/6/2004	b.a. final	लुनियावास	9957933492	ब्यूटी पार्लर, शिलाई	टाईल मिस्त्री	किरोडीवाल	आषीवाल	मारोठीया	मारवाल
21	अंकिता	सोहन लाल	6/5/2005	b.a I	लुनियावास	9957933492	पढाई	टाईल मिस्त्री	किरोडीवाल	आषीवाल	मारोठीया	मारवाल
22	सीमा	राम कुमार	1/1/1994	ma, bed	रेनवाल	7891646969	सरकारी शिक्षक	मजदूरी	होदकास्या	किरोडीवाल	मारवाल	मारोठीया
23	मन्जु	गोपाल लाल	3/10/1997	ma, bed	मण्ढा सुरेरा	9950947184	तैयारी	टेन्ट	देवतवाल	राजोरिया	दम्बिवाल	निराणिया
24	अंजु	जीवण राम	8/10/2000	12	बाघावास	6375778486	सिलाई	कारीगरी	बेडवाल	राजोरिया	आसीवाल	सिंगाठिया
25	कविता	बोदूराम	2/7/2000	ma final	खण्डेल	9251717247		कृषि	नराणिया	सिरस्वा	कारगवाल	चुनगरिया
26	प्रतिभा	बोदूराम	18/9/1998	ma final	खण्डेल	9251717247		कृषि	नराणिया	सिरस्वा	कारगवाल	चुनगरिया
27	ममता	मनोज	24/10/2002	bsc, msc, bed	बधाल	8279226234	तैयारी	फेब्रिकेशन	किरोडीवाल	नोखवाल	राजोरिया	होदकास्या
28	मधु	रामेश्वरलाल	1/1/2000	final	भादवा	9950669894	पढाई	हलवाई	रावोरिया	सिरोडिया	जेठीवाल	किरोडिवाल
29	कविता	गोपाल लाल	22/12/1998	ma, bed	डुगरसीकाबास	9928484211		कृषि	मारोठीया	आईथान	बडीवाल	पीपलोदा
30	सन्जू	छीतरमल	1/1/2000	bsc	भादवा	9929516998	पढाई	कारीगरी	मारवाल	बडीवाल	बेडवाल	बासनीवाल
31	सुमन	रामनारायण	3/6/1999	ma	मीण्डा	6350316953		एल्यूमिनियम,ग्लास	राहोरिया	मारवाल	राजोरिया	नागा
32	किरण	गोपीराम	2/12/2005	II year	रेनवाल	8290494144	पढाई	कारीगरी	सीधलवाल	भरोदिया	माचीवाल	सीरोहिया
33	आरती	गिरधारीलाल	3/3/2002	ba final	बधाल	9057837280		टाईल मिस्त्री	बासनीवाल	नेमीवाल	कुण्डलवाल	बेडवाल
34	प्रीयंका	शान्ति लाल	27/8/2002	12	रेनवाल	7792093699	ब्यूटी पार्लर	बिल्डींग लाइन	राजोरिया	कारगवाल	किरोडीवाल	भरोदिया
35	पुजा	रामगोपाल	3/7/1998	ba, bed	मिण्डा, नागौर	7976444428		राजकीय अध्यापक	कारगवाल	कुण्डलवाल	धोडेला	जलिन्द्रा
36	सिमा	गिरधारीलाल	7/3/2001	12	रेनवाल	8890050556		कारीगरी	धमानिया	जेठीवाल	आचिन्दा	झूनझनोदिया
37	रविना	ंकर लाल	10/7/2000	bsc, bed	बधाल	8504881765	तैयारी	कारीगर	बासनीवाल	राजोरिया	सोकिल	कारगवाल
38	सुमन	शंकर लाल	5/4/1997	ba, ma	बधाल	8504881765	तैयारी	कारीगर	बासनीवाल	राजोरिया	सोकिल	कारगवाल
39	सुनिता	लालचन्द	1/1/1998	10	गोकिलपुरा	9602881527		ठेकेदार	सोकिल	जलिन्द्रा	भोडिवाल	मारोठीया
40	मंजु	लालचन्द	2/4/2000	ba final	गोकिलपुरा	9602881527		ठेकेदार	सोकिल	जलिन्द्रा	भोडिवाल	मारोठीया

अकिंचन जी महाराज को सम्मान-पत्र

10 जून, 2024 को आयोजित अमृत पर्यावरण महोत्सव 2024 में ठि. मंदिर श्री गोविन्द देव जी एवं सनातन संवर्धन समिति के तत्वावधान में आयोजित हुआ, इसमें पं. श्री अकिंचनदास जी महाराज (संत मुरली मनोहर 'अकिंचन') को **''पर्यावरण एवं गौरक्षा तथा सनातन की रक्षा''** के लिए माननीय शिक्षामंत्री राजस्थान श्री मदन दिलावर, शुक सम्प्रदाय पीठाधिश्वर श्री अलबेली माधुरीशरण जी तथा महंत ठि. मंदिर श्री गोविन्द देव जी द्वारा सम्मान-पत्र देकर सम्मानित किया गया।

ज्ञातव्य है कि संत मुरली मनोहर जी अकिंचन गौसेवा से लम्बे समय से जुड़े हुए है तथा इनके अनुयायीगण के साथ अनेक गौशालाओं में गौसेवा देते हैं। आप श्रीमद्भागवत, रामकथा, हनुमत चरित्र कथा, भरत चरित्र कथा, नानी बाई को मायरों आदि व धार्मिक कथाओं के माध्यम से कथा रस प्रवाहित कर सनातन धर्म की अभिवृद्धि का कार्य करके अनेक लोगों का सद्मार्ग पर ला चुके है।

'कुमावत इंडिया' पत्रिका परिवार आदरणीय संत श्री मुरली मनोहर 'अकिंचन' का इस उपलक्ष्य पर बधाई देता है।

धमाणिया परिवार का उज्जैन धर्मशाला में दो कमरों का निर्माण कराने पर सम्मान

जगदीश जी, पूनम चंद जी धमाणिया निंबाहेड़ा वालों की तरफ से, कुमावत धर्मशाला उज्जैन में दो कमरों को निर्माण करा कर उद्घाटन किया, हर्ष के इस अवसर पर कुमावत धर्मशाला ट्रस्ट के अध्यक्ष श्रीमान बालाराम जी गोयल, उपाध्यक्ष श्रीमान रणछोड़ जी मावता, कोषाध्यक्ष श्रीमान शांतिलाल जी (सतन) रतलाम, सचिव श्रीमान राम प्रसाद जी वेद भाठखेड़ा, सदस्य श्रीमान प्रकाश जी हांगर छोटी सादडी वालों ने जगदीश जी धमाणिया को शाल ओढा कर साफा बंधाकर और महाकाल की तस्वीर स्मृति चिन्ह भेट कर स्वागत किया। इस अवसर पर अशोक जी धमाणिया, दिनेश जी वारी निंबाहेड़ा, रामेश्वर लाल जी (सरपंच साहब) बिलोट, चोकला अध्यक्ष श्रीमान गोपाल जी चम्पी, बाबूलाल जी धमानिया खोड़ीप, रामप्रसाद जी कोटा, आदि समाजजन उपस्थित थे।

लक्ष्मीनारायण घोडीवाल पेंशन समाज कोषाध्यक्ष मनोनीत

राजस्थान पेंशनर समाज, उप शाखा शासन सचिवालय, जयपुर की नवगठित कार्यकारणी में लक्ष्मीनारायण कुमावत (घोडीवाल) को कोषाध्यक्ष मनोनीत किया गया। नवगठित कार्यकारणी को 20 जून 2024 को माननीय उप मुख्यमंत्री डॉ. प्रेम चंद बैरवा ने सचिवालय के कॉन्फ्रेंस हॉल मे शपथ दिलाई। श्री घोड़ीवाल **'कुमावत इंडिया'** पत्रिका के लम्बे समय से कोषाध्यक्ष हैं तथा सर्वकुमावत क्षत्रिय महासभा के राष्ट्रीय संगठन एवं प्रचार मंत्री भी हैं।

'कुमावत इंडिया' पत्रिका की ओर से श्री लक्ष्मीनारायण घोडीवाल को कोषाध्यक्ष मनोनीत होने पर बधाई।

वर्ल्ड स्ट्रेंथ लिफ्टिंग के लिए पवन कुमार का हुआ चयन

पवन कुमावत का चयन वर्ल्ड स्ट्रेंथ लिफ्टिंग चैम्पियनशिप, कजाकिस्तान के लिए 76 किलो भार वर्ग में भारतीय टीम में चयन किया गया।

पवन का चयन हाल ही में आयोजित हुई सीनियर स्ट्रेन्थ लिफ्टिंग प्रतियोगिता, उदयपुर में ट्रायल के आधार पर किया गया है। पवन कुमावत भारत को कई पदक दिला चुके हैं। भारतीय टीम में चयन होने पर पवन कुमावत को **'कुमावत इंडिया'** पत्रिका की ओर से बधाई एवं शुभकामना।

नवीन कुमावत ने जीता गोल्ड मैडल

ड्रॉप रोबॉल ऑल इंडिया इंटर यूनिवर्सिटी 2023-24 में संगम यूनिवर्सिटी के छात्र नवीन कुमावत (छापरवाल) पुत्र श्री रामलाल कुमावत ने नासिक महाराष्ट्र में आयोजित प्रतियोगिता मे गोल्ड मेडल जीतने पर हार्दिक बधाई और शुभकामनाए।

16वीं पुण्यतिथि

23 जून, 2024

स्व. श्री देवीलाल जी बालोदिया

हम सब परिजन अश्रुपुरित श्रद्धांजलि अर्पित करते हैं

श्रीमती बसंती देवी (धर्मपत्नी) • डॉ. मदन बालोदिया (भ्राता)
स्व. विनोद-शशिकला,चेतन-अंजली, चन्द्रप्रकाश-कांता, दिनेश-भावना (पुत्र एवं पुत्रवधु)
सुनील-रेणु, रवि-रिम्पल, पराग-मिन्ना, रोनित (पौत्र एवं पौत्रवधु)
विशाखा, चंचल व जया (पौत्री)
अंशुल, आशना, आरव, आर्यश (प्रपौत्र एवं प्रपौत्री)
राजबाला-श्री नारायण कारगवाल, ब्यावर (पुत्री-दामाद)
टिंकल-श्री कमल अनावड़िया • निकिता-श्री विजय मारवाल
सोनिया - नरेश मारवाल • प्रियंका - श्री भूपेश खूंखवाल (पौत्री-दामाद)

राज ब्लॉक्स

ऑफिस : गोलछा सिनेमा के सामने, सांई बाबा के मंदिर के पास, चौड़ा रास्ता, जयपुर
फोन: 0141-2315584, 4020156, मो: 9829059312, 9829436551
फैक्टरी : बी-81, रोड़ नं 4, बाईस गोदाम, इण्डस्ट्री एरिया, जयपुर
फोन: 0141-4022538, मो: 9414052736, 9928910068

तृतीय पुण्यतिथि

देवलोकगमन : 24.06.2021

स्व. श्री रामलाल जी खण्डारिया

(Retd. F.C.I.)

आपका स्नेहमयी व्यवहार, सादगी,
धैर्य, प्यार एवं आदर्श व्यक्तित्व
हमारे लिए सदैव प्रेरणा स्रोत रहेगा।

श्रद्धावनत

धर्मपत्नी : श्रीमती सुशीला देवी
एवं समस्त खण्डारिया परिवार

37, पटेल कॉलोनी, सरदार पटेल मार्ग, सी-स्कीम,
जयपुर मो.: 7742158563

श्रद्धांजलि

पिता धर्मः पिता स्वर्गः पिता हि परमं तपः।
पितरि प्रीतिमापन्ने सर्वाः प्रीयन्ति देवता।।

पापाजी की प्रथम पुण्यतिथि पर हम सब उन्हें शत-शत नमन और भावपूर्ण श्रद्धांजलि अर्पित करते हैं ।

आपने कर्तव्य पथ पर हमेशा दृढ़ता और परिश्रम से आगे बढ़ हमारा मार्गदर्शन किया। हम सब आपके द्वारा दिए मूल्यों और संस्कारों का सदैव पालन करेंगे ।

दृढ़ निश्चयी , परिश्रमी, समय के पाबंद थे पापा
प्रतिष्ठा मान थे, घर की अलग पहचान थे पापा।।

आपकी यादें हमारे दिलों में हमेशा बनी रहेगी,
हम सब पर आपका आशीर्वाद सदा बना रहे।

श्रद्धावनत

मिथिलेश वर्मा-डॉ. प्रिया मारवाल, योगेश वर्मा-प्रतिभा वर्मा (पुत्र-पुत्रवधू)
डॉ. चित्रा वर्मा-राजकिशोर जी (पुत्री-दामाद),
आदित्य, कार्तिका, मेध्या (पौत्र-पौत्री), मुकुंदा (दोहिती)
एवं समस्त खड़गटा परिवार।

25, जय जवान कॉलोनी -3, जेएलएन मार्ग, जयपुर
फोन नं.: 8905327271 , 9829266078

बधाई

श्री लक्ष्मीनारायण घोड़ीवाल

राजस्थान पेंशनर समाज, उपशाखा शासन सचिवालय, जयपुर में **कोषाध्यक्ष** मनोनीत होने पर

हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं

शुभेच्छू

राजकुमारी घोड़ीवाल (धर्मपत्नी), सुरेन्द्र बाबू-प्रीति, मनीष-शशि घोड़ीवाल (पुत्र-पुत्रवधु), लविन, कु. शुभी, शिवी (पौत्र-पौत्रियां) एवं समस्त घोड़ीवाल परिवार

निवास : 7/218, मालवीय नगर, जयपुर-302017

बधाई

श्री रामप्रकाश मारवाल

को **69वें जन्म दिवस** 11 जुलाई, 2024 की

हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं

शुभेच्छू

श्रीमती सुनीता (धर्मपत्नी) आशीष-प्रियंका (पुत्र-पुत्रवधु), कुशाग्र (पौत्र), दिलीप-मेघना (रीनू), चन्द्रप्रकाश-अरुणा (टीना) (दामाद-पुत्री), रूपचन्द-पार्वती, राजकुमार-उमा, जयसिंह-कौशल्या, सत्यप्रकाश-शकुन्तला (भ्राता-भ्रातावधु)

Ashish Consultant

433A, सूर्यनगर, गोपालपुरा, जयपुर-302015

वैवाहिक

Mahak Kumawat

DOB	:	22-03-1997
Height	:	5'4"
Qualification	:	• M.Sc. in Chemistry (from International College for Girls, IIS University, Jaipur) • PG Diploma In Yoga From Rajasthan University • M.A in Yoga - From Jain Vishva Bharati Institute
Gautras	:	**Self:** Kolugariya **Mother:** Tundwal **Grandmother:** Kirodiwal **Grandmother (Maternal):** Singhanwal
Father's Name	:	Om Prakash Kumawat (PS in Government Secretariat, Jaipur)
Mother's Name	:	Manju Devi (Home-maker)
Address	:	Gandhi Nagar, Jaipur
Elder Sister	:	Meghavi Kumawat (CS, Working in a Mumbai based Company in Jaipur)
Brother-in-law	:	Paritosh Kumawat (Learning and Development Head in SK Finance, Jaipur and life coach)
Contact No.	:	9928023127 (father)

स्व. श्रीमती फूला देवी
स्वर्गवास: 20 मई, 2016

शत् शत् नमन

स्व.श्रीमती फूलां देवी धर्मपत्नी स्व.श्री फूलचन्द जी बालोदिया (माता पिता)
की पुण्य तिथि पर उनके पुत्र माधव दास बालोदिया द्वारा आयोजित

7 वाँ नि:शुल्क नेत्र जाँच व लैंस प्रत्यारोपण एवं स्वास्थ्य जाँच व तम्बाकू मुक्ति शिविर लगाया गया

रविवार, दिनांक 2 जून, 2024

शिविर की झलकियाँ

स्व. श्री फूलचन्द बालोदिया
स्वर्गवास: 4 जून, 1990

माधव दास बालोदिया परिवार, जयपुर

माधव बालोदिया व बिमला देवी

विजय बालोदिया व हेमा
वेडिंग स्टेज डेकोरेटर

अजय बालोदिया व शालू
फ्लेक्स साईनेज व ग्लोसाइन

संजय बालोदिया व निशा
ग्राफिक डिजाईनिंग व प्रिन्टिंग

जया व दिलजीत खड़गटा (पुत्री व दामाद)
कृति, वन्या, सयाली, लक्षिता (पौत्री) व रूद्राक्ष, हिमांक (पौत्र)

Ph. 0141-2618317, 9799398620

Artist MADHAV

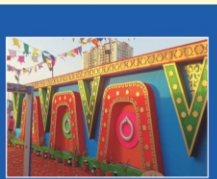

Email.: artist_madhav@yahoo.co.in I artistmadhav@gmail.com

Specialist for thermocol job all kinds of venue decoration

"Balodia House", J-10-926, Ashok Chowk, Adarsh Nagar, Jaipur-302004

SP CONSTRUCTION

Building INDIA'S Construction

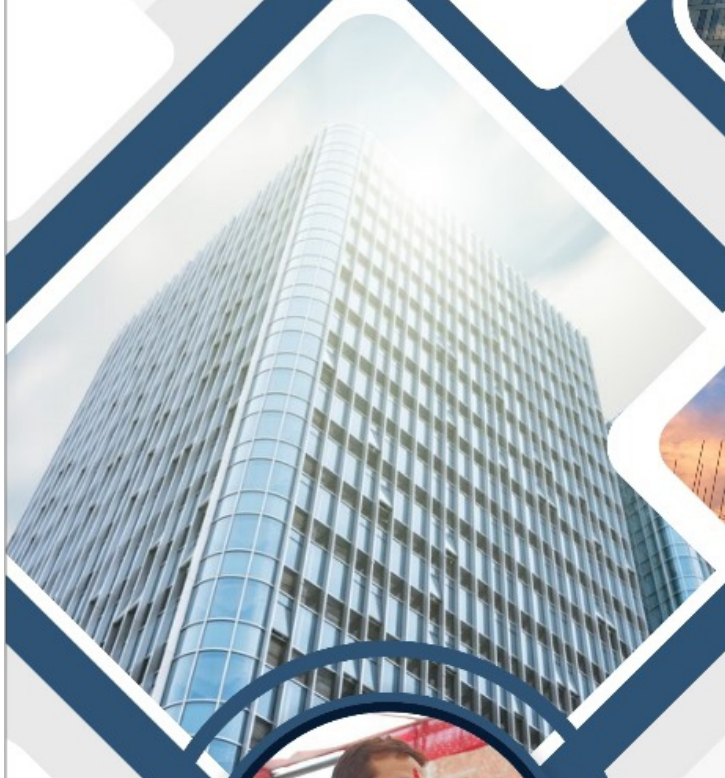

SHASHI PAL KUMAWAT

B-34, Devi Chiranjivi Colony, Surya Nagar, Gopal Pura Bye Pass, Jaipur 302015

Web: spconst.co.in E-Mail: info@spconst.co.in

Shubh Laxmi Crane & Engineers

(Formally Know as Shri Laxmi Crane Service)

All India Equipments Rental Service Provider

Jai Kishan Kumawat
+91- 9829125428
+91- 9887011175

Shankar Lal Kumawat
+91- 9887227775

Mukesh Kumar Kumawat
+91- 9887337775

H.O.
Shree Heera Bhawan, Dholi Mandi
Chomu-303702 Distt. Jaipur (Rajasthan)

B.O.
Near Patwar Bhawan,Village - Kawas
Distt. Barmer - 344035 (Rajasthan)

shreelaxmicranes@gmail.com
shubhlaxmicrane@gmail.com

www : shrilaxmicrane.com

Graphic By : Art point # 9928064300

RNI - RAJHIN/2017/74285

प्रेषक: कुमावत इंडिया पत्रिका
एफ 31/ए, एस. एल. मार्ग,
लाल बहादुर नगर-प., दुर्गापुरा, जयपुर - 302018